संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-91 गुरूवार, 01 फरवरी 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

रिटायरमेंट से एक दिन पहले आईआरएस अधिकारी सस्पेंड

सीतारमण को वित्त मंत्री पद से हटाने की उठाई थी मांग

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। चेन्नई के एक सेवारत भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी बी बालामुरुगन, जिन्होंने दो दलित किसानों को मिले ईडी के समन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बर्खास्तगी की मांग की थी, उन्हें मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई उनके द्वारा दी गई शिकायत के एक महीने बाद और उनके रिटायरमेंट के एक दिन पहले हुई है। यह पूरी घटना तमिलनाडु के दो दलित किसानों से जुड़ी हुई है,

तेलंगाना एसीबी ने शीर्ष अधिकारी से की पूछताछ

हैदराबाद,31 जनवरी 2024 (ए)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को राज्य के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) सचिव और हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (भूमि प्रबंधन) शिव बालकृष्ण से पूछताछ शुरू की।

सरकार ने 16 वें वित्त आयोग के 4 सदस्यों की नियुक्ति की

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024(ए)। सरकार ने बुधवार को 16वें वित्त आयोग में चार सदस्यों की नियुक्ति की, जिसका गठन 31 दिसंबर, 2023 को नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को अध्यक्ष बनाकर किया गया था।भारत के राष्ट्रपति ने 15वें वित्त आयोग के पूर्व सदस्य और पूर्व व्यय सचिव अजय नारायण झा, पूर्व विशेष सचिव व्यय एनी जॉर्ज मैथ्यू, अर्था ग्लोबल के कार्यकारी निदेशक डॉ. निरंजन राजाध्यक्ष को पूर्णकालिक सदस्य के रूप में मंजूरी दे दी है।

हेमंत सोरेन को ईडी ने किया गिरफ्तार

चंपई सोरेन विधायक दल के नेता चुने गए...बनेंगे झारखंड के मुख्यमंत्री

- **अब हाईकोर्ट पहुंचे पूर्व सीएम,राहुल-खरगे भाजपा पर बरसे**
- **ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया...**

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित भूमि धोखाधड़ी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद बुधवार को झामुमो नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। अपनी गिरफ्तारी से पहले, सोरेन ने राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया और फिर उन्हें यहां ईडी कार्यालय ले जाया गया। सूत्रों ने दावा किया कि 48 वर्षीय सोरेन पूछताछ के दौरान अपने जवाबों में आनाकानी कर रहे थे। इसलिए उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में ले लिया गया।

सूत्रों ने कहा कि उम्मीद है कि ईडी सोरेन को यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश करेगी और एजेंसी हिरासत में पूछताछ के लिए उसकी रिमांड की मांग करेगी। एजेंसी ने मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के दौरान सोरेन से 15 सवाल पूछे। उनसे पहली बार 20 जनवरी को पूछताछ की गई थी।

भाजपा की 'विपक्ष मिटाओ सेल':राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो, आयकर आदि अब सरकारी एजेंसियां नहीं रहीं, अब यह भाजपा की 'विपक्ष मिटाओ सेल' बन चुकी हैं। खुद भ्रष्टाचार में डूबी भाजपा सत्ता की सनक में लोकतंत्र को तबाह करने का अभियान चला रही है।

हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की

ईडी के समन के खिलाफ हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई कल सुबह 10:30 बजे होगी।

हेमंत सोरेन की पत्नी प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय पहुंचीं

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय पहुंचीं। हेमंत सोरेन ने झारखंड के सीएम पद से अपना इस्तीफा राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को सौंप दिया।
सोरेन को ईडी कार्यालय ले गई ईडी
हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय ले गई है। सूत्रों के मुताबिक, राजभवन से वापस आने के बाद सोरेन को रांची स्थित ईडी कार्यालय ले जाया गया।

हेमंत सोरेन ने दिया इस्तीफा

हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस बीच सत्तारूढ़ झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए राज्य प्रमुख के रूप में वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगभग सात घंटे की पूछताछ के बाद सोरेन ने राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री होंगे

चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री होंगे। झारखंड सरकार में मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि विधायक दल के रूप में चंपई सोरेन को हमने चुन लिया है, राज्यपाल से निवेदन है कि उन्हें शपथ दिलाएं। ईडी कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम सोरेन से पूछताछ कर रही थी।

मणिशंकर अय्यर को नोटिस

उनकी बेटी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का विरोध किया था,बोला-सार्वजनिक माफी मांगें

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। कांग्रेस के दिग्गज नेता मणिशंकर अय्यर और उनकी बेटी सुरन्या अय्यर को दिल्ली के जंगपुरा स्थित अपना घर खाली करने का नोटिस मिला है। जो रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर अभिषेक समारोह की निंदा करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट के लिए या तो सार्वजनिक माफी मांगे या घर खाली करें।
नोटिस में लिखा गया है कि आपको ऐसे अपशब्दों का उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे शांति भंग हो सकती है और अन्य निवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है।
आप सोचते हैं कि आपने अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा के विरोध में क्या गलत किया है, तो हम आपको सुझाव देंगे कि कृपया किसी अन्य कॉलोनी में चले जाएं, जहां लोग इस तरह की नफरत पर अपनी आंखे बंद कर सकते हैं।

मोबाइल फोन विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले कलपुर्जों पर आयात शुल्क में कमी

- **मोबाइल फोन विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूती की दिशा में अग्रसर कदम**
- **उद्योग और सीमा शुल्क में निश्चितता और स्पष्टता की आवश्यकता**

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। मोबाइल फोन विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले कलपुर्जों पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इस कदम का मकसद स्थानीय उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्रालय ने मोबाइल फोन के लिए स्क्रूए सिम सॉकेट या धातु की अन्य यांत्रिक वस्तुओं सहित कलपुर्जों के आयात पर शुल्क में कटौती संबंधी अधिसूचना को जारी की है ।

एक मार्च से बंद होंगी पेटीएम पेमेंट बैंक की कई सर्विस

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। बता दें कि आरबीआई ने पीपीबीएल को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड इस्ट्रूमेंट्स, वॉलेट एवं फास्टैग इत्यादि में 29 फरवरी, 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया। आरबीआई की इस कार्रवाई के मुताबिक, पीपीबीएल यूजर्स को बैंकिंग की सुविधाएं मुहैया नहीं करा सकता है।दरअसल, रिजर्व बैंक ने यह कार्रवाई एक व्यापक प्रणाली ऑडिट रिपोर्ट और बाहरी ऑडिटरों की अनुपालन सत्यापन रिपोर्ट के बाद की।पेटीएम के यूजर्स पर आरबीआई के इस फैसले का क्या असर पड़ेगा और वह किन-किन सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

ममता सरकार पर दो लाख करोड़ के घोटाले का आरोप

- **अनूठे तरीके से हुई जनता के पैसे की लूट, भाजपा का बंगाल सीएम पर बड़ा आरोप**
- **सीएजी ने पश्चिम बंगाल की वर्ष 2021 की रिपोर्ट संसद में पेश की**
- **रिपोर्ट में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितताएं सामने आईं**
- **यह मामले ग्रामीण विकास, शहरी विकास और स्कूली शिक्षा विभाग से जुड़े हैं...**

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट को आधार बनाते हुए भाजपा ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा के बंगाल प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि ममता सरकार ने वर्ष 2018 से 2021 के बीच सरकारी परियोजनाओं पर जो पैसा खर्च हुआ बताया है, उसका उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दिया है। नए खाते खोलकर भी जनता का पैसा लूटने का प्रयास हुआ है। इस तरह कैग की रिपोर्ट में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं।

करोड़ रुपये खर्च हो गए, लेकिन हिसाब नहीं

भाजपा मुख्यालय में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में सुकांत मजूमदार ने कहा कि सीएजी ने पश्चिम बंगाल की वर्ष 2021 की रिपोर्ट संसद में पेश की है। इसमें दो लाख करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता और संभावित घोटाले पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी पैसे से होने वाले काम का नियम है कि कोई भी प्रोजेक्ट पूरा होने के एक साल के अंदर यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट यानी उपयोगिता प्रमाण पत्र देना होता है। ऐसे दो लाख 40 हजार प्रमाण पत्र टीएमसी सरकार ने नहीं दिए हैं। इस तरह 1.95 लाख करोड़ रुपये खर्च हो गए, लेकिन हिसाब नहीं है।

कोषागार से एडवांस में पैसा लेकर काम

दावा किया कि यह मामले ग्रामीण विकास, शहरी विकास और स्कूली शिक्षा विभाग से जुड़े हैं। इनमें से दो विभागों में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार के आरोप टीएमसी सरकार पर लगे हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री अभी जेल में हैं। इसी कारण से मनरेगा का पैसा केंद्र सरकार को रोकना पड़ा है। मजूमदार के मुताबिक, पश्चिम बंगाल का वित्तीय नियम कहता है कि कांटिजेंसी फंड में कोषागार से एडवांस में पैसा लेकर काम करें, लेकिन एक माह के अंदर बिल देना होता है। आश्चर्य है कि जो ममता बनर्जी वेतन का एक भी पैसा नहीं लेने का दावा करती हैं, उन्होंने 2018 से 2021 तक एक भी बिल जमा नहीं किया, जबकि 3400 करोड़ रुपये इमरजेंसी फंड से लिए गए।

जनता का पैसा लूटने की कोशिश

यह पैसा कहां गया, किसी को पता नहीं है। इसमें भी इमरजेंसी फंड का 1169 करोड़ रुपये गृह मंत्रालय से खर्च हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद गृह मंत्री हैं। इसके साथ ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इस पैसे का उपयोग करने के लिए अनूठे किस्म का खाता बनाया गया है। उनको नाम दिया पर्सनल लेजर और पर्सनल अकाउंट्स। ऐसे 160 खाते बनाए गए, जिनमें 3465 करोड़ रुपया पड़ा हुआ है। यह जनता का पैसा लूटने की कोशिश है।

भाजपा ने घोटाले का रोहिंग्या और दंगे से जोड़ा कनेक्शन

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आइएनडीआइए के सभी घटक दलों पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार रहते जो टू जी घोटाले हुआ, उसकी राशि तो एक लाख 76 हजार करोड़ के आसपास थी, जबकि पश्चिम बंगाल जैसे एक प्रदेश से ही दो लाख करोड़ से ज्यादा का घोटाला हो गया। उन्होंने प्रश्न उठाया- यह पैसा रोहिंग्या को दिया, अपने परिवार को दिया या दंगे फैलाने के लिए दिए हैं?

लोक सभा की कार्यवाही आज तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024 (ए)। संसद के बजट सत्र के पहले दिन बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण को लोक सभा के पटल पर रखने के बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार 1 फरवरी सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।
कार्यवाही स्थगित होने से पहले दो पूर्व सांसदों भद्रेश्वर तांती और सोनावणे प्रताप नारायणराव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए पूरे सदन ने खड़े होकर मौन रहकर अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की।इसके बाद सदन की विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने लोक सभा के पटल पर समिति की 7वीं रिपोर्ट को पेश किया।
लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परंपरा के मुताबिक, बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों-लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के दस वर्षों के कामकाज का लेखा-जोखा रखा।राष्ट्रपति मुर्मू ने अयोध्या में बने राम मंदिर सहित आर्थिक,सामाजिक, सांस्कृतिक, अर्थव्यवस्था, विकास, उद्योग-व्यापार, रिफॉर्म, सामरिक, आंतरिक सुरक्षा और वैश्विक मोर्चों पर बढ़ रहे भारत के प्रभाव सहित तमाम मोर्चों पर सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा अपने अभिभाषण के माध्यम से देश की जनता के सामने रखा।

भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में कर्नाटक में बड़ी कार्रवाई,40 ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरु,31 जनवरी 2024 (ए)। कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बुधवार सुबह राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक, 10 से ज्यादा जिलों में छापेमारी चल रही है। छापेमारी बेंगलुरु, मांड्या, मैसूरु, हसन, तुमकुरु, चिक्कमगलुरु, चामराजनगर, बेल्लारी, विजयनगर और दक्षिण कन्नड़ जिलों में की जा रही है। बेंगलुरु के विद्यारण्यपुरा में पीडब्ल्यूडी से जुड़े एक कार्यकारी अभियंता के आवास पर तलाशी हो रही है। मांड्या में कार्यालय, रिश्तेदारों के घर और नागमंगला में एक फार्महाउस पर भी छापा मारा गया है।
हसन जिले में एक फूड इंस्पेक्टर के आवास और कार्यालय पर भी छापेमारी की जा रही है। लोकायुक्त पुलिस ने उनके भाई के रियल एस्टेट कार्यालय और आवास को भी निशाना बनाया है। चिक्कमगलुरु जिले में वाणिज्यिक कर विभाग से जुड़ी एक महिला अधिकारी के घर पर छापा मारा जा रहा है। आरोपों से पता चलता है कि अधिकारी ने अपनी आय से अधिक बड़ी संपत्ति अर्जित की है।
लोकायुक्त ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से जुड़े एक इंजीनियर के यहां भी छापा मारा है. अधिकारी मैसूरु में उनके आवास, विजयनगर में एक अपार्टमेंट और उनके भाई के घर पर भी तलाशी अभियान चला रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (केआरडीएल) से जुड़े इंजीनियर के तुमकुरु स्थित आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। इन छापों के संबंध में लोकायुक्त की ओर से अभी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

200 करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब में कई ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024(ए)। करोड़ों रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने कश्मीर से लेकर उत्तर प्रदेश तक में एक साथ छापेमारी की है। फिलहाल विभिन्न जगहों पर तलाशी अभियान चलाकर धोखाधड़ी से जुड़े सबूत ढूंढ़े जा रहे हैं। बता दें कि ईडी मनीलॉन्ड्रिंग के मामले में पिछले कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार छापेमारी कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम विभिन्न मामलों में कार्रवाई कर रही है। इसमें नेता, मंत्री से लेकर कारोबारी तक शामिल हैं।
जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम ने तकरीबन 200 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में ताजा कार्रवाई की है। ईडी ने जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तर प्रदेश और पंजाब तक में छापा मारने की कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार पंजाब के 9 जगहों पर रेड डाली गई है। सभी लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह मामला जम्मू-कश्मीर और लुधियाना स्थित मेसर्स भारत पेपर्स लिमिटेड नाम की कंपनी से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय की इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में मचा हड़कंप

कटिहार,31 जनवरी 2024(ए)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान भगदड़ मच गई। भगदड़ इतनी ज्यादा मच गई थी कि राहुल गांधी की कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहुल बाल-बाल बच गए और कार से निकलकर बस में बैठ गए और प्रशासन ने लोगों को शांत कर दिया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राहुल की कार पर पत्थर मारा गया जिससे गाड़ी का कांच टूट गया।
गौरतलब है कि बिहार में कांग्रेस की ये यात्रा ऐसे वक्तहुई है जब पूर्व सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में लौट चुके हैं। कुमार के पाला बदलने से पहले कांग्रेस ने जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू) के साथ बिहार में सत्ता साझा किया था।

ज्ञानवापी मामले में हिन्दू पक्ष को मिला पूजा का अधिकार,31 साल से बंद था पूजा-पाठ

वाराणसी ,31 जनवरी 2024 (ए)। ज्ञानवापी मामले में बड़ी खबर सामने आई है। खबर यह है कि वाराणसी जिला कोर्ट ने ज्ञानवापी के व्यास जी तहखाने में पूजा की इजाजत दे दी है। इस तहखाने में 31 सालों से यानी 1993 से तहखाने में पूजा-पाठ बंद था। कोर्ट के कहा कि वाराणसी के जिलाधिकारी 7 दिन के अंदर पुजारी नियुक्त करेंगे, इसके साथ ही व्यास परिवार पूजा-पाठ शुरू कर सकता है। वाराणसी के जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में मंगलवार को हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्ष की तरफ से बहस पूरी कर ली गई थी। ज्ञानवापी मस्जिद में एक तहखाना है, जिसमें एक देवता के विग्रह की पूजा का काम सोमनाथ व्यास किया करते थे। जिला जज ने अपने आदेश में कहा कि विश्वनाथ मंदिर के पुजारियों से पूजा कराई जाए बैरिकेडिंग हटाने की व्यवस्था की जाए। याचिका में सोमनाथ व्यास जी के नाती शैलेन्द्र पाठक ने तहखाने में पूजा पाठ की इजाजत मांगी थी। 17 जनवरी को व्यास जी के तहखाने को जिला प्रशासन ने कोर्ट के आदेश से अपने नियंत्रण में ले लिया था। एएसआई सर्वे कार्रवाई के दौरान तहखाने की साफ-सफाई हुई थी।

सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले किया 50 आईएएस अधिकारियों का तबादला

अहमदाबाद,31 जनवरी 2024(ए)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, गुजरात सरकार ने विभिन्न कलेक्टरों और जिला विकास अधिकारियों सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा के 50 अधिकारियों का तबादला किया है।

संपादकीय

इस बार प्रहसन में

मतदाता भी बार-बार ठगे जाने के कारण ऐसी घटनाओं पर नाराज नहीं होते- बल्कि उनमें कौतुक और संबंधित घटनाओं से अपना मनोरंजन कर लेने का भाव जगता है। बिहार की ताजा घटना ने फिलहाल उनका पूरा मनोरंजन किया है।

एक बहुचर्चित कथन है कि इतिहास अपने को दोहराता है, लेकिन पहली बार ट्रेजेडी में और दूसरी बार प्रहसन के रूप में। इसका अर्थ यह है कि इतिहास की महत्त्वपूर्ण घटनाओं से जब लोग सबक नहीं लेते, तो उन्हें दोबारा वैसी ही त्रासदी का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद लोग सीख नहीं लेते,तो फिर वैसी घटनाएं प्रहसन के रूप में दोहराई जाती हैं, क्योंकि तब लोग सबक ना सीखने की अपनी भूल के कारण सहानुभूति के नहीं, बल्कि तरस के पात्र बन जाते हैं। बिहार के विभिन्न राजनीतिक दलों ने- जब खुद को छला गया महसूस किया, तब उन्होंने नीतीश कुमार को पलटू राम का नाम दिया। लेकिन जब नीतीश प्रतिद्वंद्वी दल को छल कर साथ आ मिलते हैं, तो उन्हें गले लगाने में वे पार्टियां पूरा उत्साह दिखाती रही हैं। इसलिए बिहार में हुए ताजा घटनाक्रम को एक प्रहसन के रूप में देखा जाएगा। इससे संभव है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना जातीय समीकरण बनाने में सहायता मिले, लेकिन जिस नेता के लिए सारे दरवाजे बंद हो गए थे, उसे फिर से राज्य में अपने गठबंधन का नेता मान कर पार्टी ने अपनी साख को क्षीण किया है।

दरअसल, कहा जा सकता है कि वह भी इस प्रहसन का एक प्रमुख पात्र बन गई है। उधर राष्ट्रीय जनता दल और उसकी सहयोगी पार्टियां भी हास्य का पात्र बनी हैं। कुछ रोज पहले तक भाजपा का साथ छोड़ कर आए नीतीश कुमार को समाजवादी एकता और चाचा-भतीजा का पुनर्मिलन बताने वाले नेताओं के साथ आखिर आज किसे हमदर्दी होगी! यह सारा घटनाक्रम भारतीय राजनीति के किसी बड़े मकसद से दूर जाते हुए विशुद्ध रूप से जोड़-तोड़ में तब्दील हो जाने की शायद सबसे बेपर्द मिसाल है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि राजनीति के इस स्वरूप को बेनकाब कर कोई नई शुरुआत करने वाली शक्तियों का पूरा अभाव बना हुआ है। इसलिए मतदाता भी बार-बार ठगे जाने के कारण ऐसी घटनाओं पर नाराज नहीं होते- बल्कि उनमें कौतुक और संबंधित घटनाओं से अपना मनोरंजन कर लेने का भाव जगता है। बिहार की घटनाओं ने फिलहाल उनका पूरा मनोरंजन किया है।

गठबंधन बिखरने का जिम्मेदार कौन?

भाजपा की तरह तो नहीं लेकिन उससे मिलती जुलती एक साइबर आर्मी कांग्रेस के पास भी है। कांग्रेस के पास भी एक इकोसिस्टम है, जिसमें पारंपरिक रूप से भाजपा और संघ विरोधी लोगों की बड़ी संख्या है। ये सब लोग हर स्थिति में उसी तरह से कांग्रेस के बचाव या समर्थन में उतरते हैं, जैसे भाजपा के इकोसिस्टम के लोग भाजपा का समर्थन और बचाव करते रहते हैं। इन दोनों पार्टियों के मुकाबले अन्य पार्टियों के पास ऐसी कोई साइबर आर्मी या इकोसिस्टम नहीं है। आम आदमी पार्टी को एक अपवाद मान सकते हैं। तभी जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में बिखराव शुरू हुआ तो केंद्रीय पार्टी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाने की बजाय सबने नीतीश कुमार और ममता बनर्जी को निशाना बनाना शुरू किया। कहीं कहीं आम आदमी पार्टी भी निशाने पर आई तो कहीं कम्युनिस्ट पार्टियों पर हमला हुआ। लेकिन सवाल है कि क्या विपक्षी गठबंधन नहीं बना या बनने से पहले ही बिखरता दिख रहा है तो उसके लिए प्रादेशिक पार्टियों के नेता ही जिम्मेदार हैं या कांग्रेस की भी कोई जिम्मेदारी बनती है?

बड़ा सवाल यह है कि गठबंधन की केंद्रीय पार्टी के तौर पर क्या कांग्रेस को पहल अपने हाथ में नहीं रखनी चाहिए थी? उसने क्यों गठबंधन की जिम्मेदारी आउटसोर्स की थी? पहले शरद पवार गठबंधन बनाने की कोशिश करते रहे। फिर ममता बनर्जी और के चंद्रशेखर राव ने इसका प्रयास किया। अरविंद केजरीवाल ने भी एक समय इसकी कोशिश की और अंत में नीतीश कुमार ने सफल प्रयास किया। नीतीश पिछले साल अप्रैल में इस सिलसिले में पहली बार मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिले थे। तब तक खबर थी कि राहुल के मन में नीतीश को लेकर नाराजगी है क्योंकि 2015 में गठबंधन के साथ लड़ने के बाद वे राजद और कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में चले गए थे। अब भी यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस को नीतीश पर पहले से भरोसा नहीं था। खड़गे ने तो यहां तक कि उनको पहले ही पता चल गया था कि नीतीश गठबंधन छोड़ेंगे। अब सवाल है कि जब पहले ही पता चल गया था या भरोसा नहीं था तो उनको साथ बैठा कर बात करने का क्या मतलब था?

नीतीश कुमार जब गठबंधन का प्रस्ताव लेकर दिल्ली पहुंचे थे और खड़गे व राहुल से मिले थे तब दोनों ने उनके प्रयास का समर्थन किया था। कांग्रेस ने न सिर्फ उनके प्रयास का समर्थन किया, बल्कि उनके तय किए गए राजनीतिक एजेंडे को अपनाया था। जाति गणना और आरक्षण की सीमा बढ़ाना नीतीश कुमार का आइडिया था, जिस पर राहुल गांधी कर्नाटक का विधानसभा चुनाव लड़े। उन्होंने नीतीश के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए प्रेस कांफ्रेंस में पूछना शुरू किया कि इसमें कितने ओबीसी हैं या यह बताना शुरू किया कि देश के 90 सचिवों में सिर्फ तीन सचिव ओबीसी हैं या यह नारा दिया कि 'जितनी आबादी उतना हक'। सोचें, जब नीतीश पर

भरोसा नहीं था तब तो उनको गठबंधन बनाने की जिम्मेदारी दी गई, उनके राजनीतिक एजेंडे को चुनावी मुद्दा बनाया गया और उनकी पहल पर पटना में पहली बैठक हुई। इसका मतलब है कि भरोसा नहीं होने वाली बात बाद में जोड़ी गई है।

बड़ी और गठबंधन की केंद्रीय पार्टी होने के नाते यह कांग्रेस की जिम्मेदारी बनती थी कि वह सभी पार्टियों को वैचारिक और राजनीतिक रूप से बांध कर रखे। इसके लिए जरूरी था कि पहली या दूसरी बैठक में ही संगठन का ढांचा बनता, संयोजक व अध्यक्ष नियुक्त किए जाते, न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय होता और सबसे जरूरी सीटों का बंटवारा होता। ध्यान रहे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों ने एक सितंबर को मुंबई में हुई बैठक में सीट बंटवारे पर जोर दिया था और 31 अक्टूबर तक की अघोषित समयसीमा भी तय की गई थी। नीतीश ने बैठक में कहा था कि गठबंधन में सबसे पेचीदा मामला सीट बंटवारे का है इसलिए पहले उसे निपटाया जाए। लेकिन कांग्रेस ने इस पर चुप्पी साध ली। कांग्रेस की रणनीति यह थी कि साल के अंत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव तक इसे टाला जाए क्योंकि उसमें कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद थी। अगर वह तीन राज्यों में सरकार बना लेती तो मोलभाव की क्षमता बढ़ जाती। तब वह ज्यादा मजबूती से सीटों के लिए मोलभाव करती। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कांग्रेस सिर्फ एक राज्य में जीत पाई।

जब विधानसभा चुनाव के नतीजे आने लगे तब कांग्रेस के हाथ पैर फूले और सारे नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस ने विपक्षी पार्टियों को बैठक का न्योता भेजना शुरू कर दिया, जिसे सबने ठुकरा दिया। जाहिर है सबने कांग्रेस की होशियारी भांप ली थी। इसलिए बाद में बैठक के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय हुई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ममता बनर्जी ने अकेले लड़ने का मन बना लिया था तो नीतीश कुमार ने गठबंधन बदलने का फैसला कर लिया था। यह सबको पता है कि ज्यादातर प्रादेशिक पार्टियों के नेता इस उम्मीद में गठबंधन से जुड़े थे कि सब मिल कर लड़ेंगे तो भाजपा की सीटें कम कर देंगे और तब इधर या उधर के गठबंधन में बड़ी भूमिका मिल सकता है। त्रिशंकु लोकसभा की स्थिति में सर्वोच्च पद मिलने की भी उम्मीद कई नेता लगाए हुए थे। लेकिन हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार ने उनका मनोबल तोड़ दिया। पहले गठबंधन फाइनल करने और सीट बंटवारे में हुई देरी से निराशा था और ऊपर से दिसंबर के पहले हफ्ते में आए चुनाव नतीजे ने नेताओं को और निराश किया। भाजपा को टक्कर देने की उम्मीद टूटी तो सब अपने अपने रास्ते तलाशने लगे।

इसलिए किसी एक नेता या एक पार्टी को जिम्मेदार ठहरा कर उसके ऊपर ठीकरा फोड़ने से किसी को कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह सही है कि नीतीश कुमार का विपक्षी गठबंधन छोड़ कर भाजपा में जाना एक बड़ा झटका है। लेकिन कांग्रेस की भूमिका पर भी चर्चा होनी चाहिए, जिसने पहले दिन से गठबंधन को खुले दिल से नहीं अपनाया था। लेफ्ट पार्टियों की भी भूमिका की समीक्षा होनी चाहिए, जिनको भाजपा को हराने के लिए वैचारिक प्रतिबद्धता व समर्पण सबसे चाहिए लेकिन अपने असर वाले राज्य में किसी से समझौता मंजूर नहीं है और न किसी खास नेता के प्रति अपनी निजी खुन्नस छोड़नी है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने गठबंधन के अंदर रह कर जैसी राजनीति की उस पर भी बात होनी चाहिए। ममता ने बैठक में अचानक खड़गे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए क्यों सुझाया और क्यों केजरीवाल ने उसका समर्थन किया, इसकी व्याख्या होगी तब पता चलेगा कि कैसे गठबंधन के अंदर गठबंधन कैसे काम कर रहा था, जिसने एकजुट होकर भाजपा से लड़ने की संभावनाओं को कमजोर किया। सपा के साथ तो कांग्रेस ने कुछ मसला निपटाया है लेकिन शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट का मामला अब भी उलझा है। सो, ऐसा लग रहा है कि भानुपति का कुनबा जोड़ने की कोशिश हुई थी, जिसमें वक्ती तौर पर कामयाबी मिली थी लेकिन वह कामयाबी टिकाऊ साबित नहीं हुई। एकाध नई पार्टियों को छोड़ दें तो कुल मिला कर कांग्रेस के पास वहीं पुरानी यूपीए वाली पार्टियां बची हैं, जिनके साथ मिल कर उसे चुनाव लड़ना होगा।

-अजीत द्विवेदी-

बोध

कहानी

एक बूढ़ा लकड़हारा जंगल से लौट रहा था। एक बड़ा भारी लकड़ियो का गट्ठर अपने सर में रखा हुआ था। वह बहुत बूढ़ा था,थक गया था न केवल रोज़-रोज़ के काम काज से थक गया था जीवन से ही थक गया था। जीवन का कोई बहुत मूल्य न रह गया था उसके लिए। जीवन एक थकान भरी पुनरुक्ति था। रोज़-रोज़ वही सुबह जंगल जाना,दिन भर लकड़ियाँ काटना,फिर सांझ गट्ठर लेकर शहर आना। और उसे कुछ याद न था। यही उसका कुल जीवन था। वह ऊब गया था। जीवन उसके लिए बेकार था विशेषकर उस दिन वह थका हुआ था,पसीना बह रहा था,सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था,गट्ठर का बोझ उठाये वह किसी तरह घसीट रहा था। अकस्मात, जैसे जिन्दगी का बोझ फेंक रहा हो,उसने अपना गट्ठर नीचे पटक दिया। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक घड़ी आती है,जब व्यक्ति सारा बोझ फेंक देना चाहता है। केवल सर पर रखा वह गट्ठर ही नही,वह तो केवल प्रतीक है। उसके साथ वह पूरा जीवन ही फेंक देता है।वह घुटनों के बल जमीन में गिर पड़ा,आकाश की तरफ उसने आँखे उठाई और कहा,

हे मौत!! तू हर आदमी को आती है,लेकिन तू मुझे क्यों नही आती? और कितने दुःख देखने है मुझे? अभी और कितने बोझ ढ़ोने है मुझे? क्या मुझे काफ़ी सजा नही मिल चुकी?

उसे अपनी आँखों में भरोसा ही नही आया अचानक,मौत प्रगट हो गई। उसने चारो तरफ देखा,बहुत चकित रह गया। जो वह कह रहा था,वो उसका इरादा बिलकुल नही था। और उसने कभी ऐसा सुना भी नही था कि तुम बुलाओ मृत्यु को और मृत्यू आ जाये।और मृत्यू ने कहा, 'क्या तुमने मुझे बुलाया'? वह बूढ़ा अचानक सारी थकान,सारी ऊब,मुर्दा पुनरुक्ति भरी जिंदगी की सब बात भूल गया। वह उछ्ल पड़ा और उसने कहा हाँ-हाँ मैंने बुलाया था तुम्हें। क्या तुम इस गट्ठर को उठाने में जरा मेरी मदद करोगी? यहाँ किसी को अपने आस-पास न देखकर मैंने तुम्हें बुलाया था। ऐसी घड़ियाँ होती है जब तुम थक जाते हो जीवन से। ऐसी घड़ियाँ होती है जब तुम मर जाना चाहते हो। लेकिन मरना एक कला है; इसे सीखना पड़ता है। और जीवन से थकने का अर्थ सच में ही यह नही होता कि गहरे में जीवन के प्रति तुम्हारी लालसा मिट चुकी हो। तुम शायद थक चुके हो किसी एक ढंग के जीवन से,लेकिन तुम जीवन मात्र से नही थके हो!

सुभाष बुड़ावन वाला
रतलाम ,मध्यप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मेडटेक मित्रः भारत निर्मित मेडटेक उत्पादों का हाईवे

केंद्र सरकार ने मेडटेक मित्र नाम से इनोवेटर्स की मदद के लिए एक पहल शुरू की है जिसका लक्ष्य क्लिनिकल मूल्यांकन, विनियामक सुविधा और नए मेडटेक उत्पादों को बढ़ावा देना है। नए मेडटेक उत्पाद (जैसे चिकित्सा उपकरण या डायग्नोस्टिक) की यात्रा एक आविष्कारक के विचार से शुरू होती है जो एक प्रयोगशाला में इसकी प्रमाण अवधारणा (पीओसी) का प्रदर्शन करता है। फिर आविष्कारक को आगे के परीक्षण के लिए प्रोटोटाइप के निर्माण हेतु एक भागीदार की आवश्यकता भी होती है। उत्पाद के लिए पशु अध्ययन की आवश्यकता और आखिर में मानव अध्ययन को सख्त नियामक और नैतिक दिशानिर्देशों का पालन करते हुए और मजबूत अनुसंधान विधियों को नियोजित करने की आवश्यकता भी होती है। एक अनुमोदित और लाइसेंस प्राप्त उत्पाद बड़े पैमाने पर उत्पादन और बाजार में प्रवेश के अवसर की प्रतीक्षा करता है।

इनोवेटर्स और स्टार्टअप अपने तकनीकी काम में बहुत अच्छे हो सकते हैं, लेकिन विचार-विमर्श से लेकर क्लिनिकल सेटिंग में उपयोग के लिए तैयार उत्पाद तक की जटिल यात्रा को पूरा करना उनके लिए कठिन होता है; और अक्सर समय पर व्यापक मार्गदर्शन और सुविधा नहीं मिल पाती है। ज्यादातर इनोवेटर्स विनियामक आवश्यकताओं, परीक्षण और सत्यापन, उद्योग ग्रेड उत्पादन, पशु अध्ययन, मूल्यांकन/परीक्षण, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन अनिवार्यताओं, आदि के बारे में समझ और अवसरों की कमी से संबंधित कठिनाइयाँ का सामना करते हैं। परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में संभावित प्रभावी मेडटेक उत्पाद विकास पाइपलाइन के विभिन्न चरणों में अटके रहते हैं, और कभी भी मुख्यधारा में नहीं आ पाते हैं। निराशा हाथ लगती है और कई इनोवेटर्स हार मान जाते हैं। यह अस्वीकार्य स्थिति युवाओं की नवीन और उद्यमशीलता की भावना और प्रतिभा को दबा देती है; और देश के नवोन्मेषी, आर्थिक और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े हितों को कमजोर करती है।केंद्र सरकार ने वैज्ञानिकों, इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स के सामने आने वाली इन समस्याओं का समाधान करने के लिए मेडटेक उत्पाद विकास की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए एक हैंडहोल्डिंग हाईवे बनाया है। सुशासन

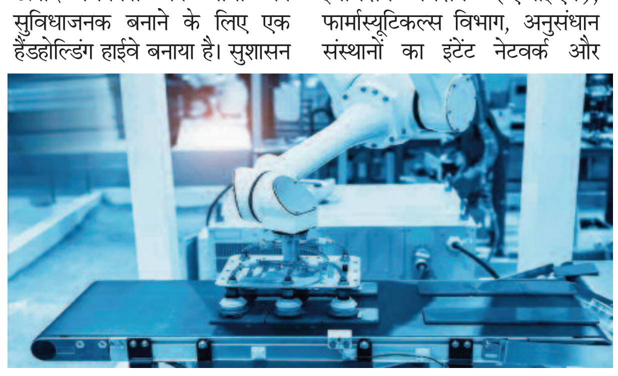

दिवस के अवसर पर (25 दिसंबर 2023), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने नीति आयोग और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय औषधि मानक और नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के साथ साझेदारी में मेडटेक मित्र पहल शुरू की।

आईसीएमआर के मेडिकल डिवाइस एंड डायग्नोस्टिक्स मिशन सचिवालय द्वारा आईसीएमआर वेबसाइट पर एक पोर्टल चालू किया गया है। इसपर एक आवेदक इनोवेटर/स्टार्टअप उत्पाद और उसके विकास के चरण का ऑनलाइन विवरण भरकर मार्गदर्शन का अनुरोध करता है। आईसीएमआर-सीडीएससीओ टीम मामले की जांच करती है और आवश्यक मदद के लिए कठिनाई की पहचान कर व्यक्तिगत बातचीत करती है और विशिष्ट सुविधात्मक कदमों के लिए आवेदक की मदद करती है।

प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल अध्ययन एक बड़ी चुनौती हैं इसमें सहयोगी टीम और फंड की आवश्यकता होती है। मेडटेक मित्र टीम इनोवेटर्स को आईसीएमआर के प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क और अन्य शोध संस्थानों के शोधकर्ताओं से जोड़ेगी। वैज्ञानिक समीक्षा प्रक्रिया द्वारा चयनित नवीन चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल अध्ययन करने वाले संस्थानों को फंडिंग की पेशकश की जाएगी। भारत में निर्मित मेडटेक उत्पादों के विकास, सत्यापन, प्राधिकरण के इस राजमार्ग में अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), फार्मास्यूटिकल्स विभाग, अनुसंधान संस्थानों का इंटेट नेटवर्क और कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के दो कार्यक्रम (भारत में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और दिशानिर्देश केंद्र) के मुख्य भागीदार हैं। इस पहल के लॉन्च के कुछ ही दिनों के अंदर, 80 से अधिक इन्नोवेटर्स मेडटेक मित्र से जुड़े हैं जो इस तरह की हैंडहोल्डिंग प्रणाली की आवश्यकता को दर्शाता है। भविष्य में इस प्रणाली की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।मेडटेक उद्योग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसका मूल्य वर्तमान में 11 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, और 2030 तक 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। भारत का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से चमक रहा है। देश में 1 लाख (कुछ साल पहले के 500 की तुलना में) से अधिक स्टार्टअप हैं जिनमें से एक महत्वपूर्ण अनुपात चिकित्सा प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है।

भारत में डायग्नोस्टिक्स जैसे चिकित्सा उपकरणों की भारी मांग है, लेकिन हम उनमें से 80त्न आयात करते हैं। स्वदेशी मेडटेक उत्पाद अक्सर निम्न स्तर की तकनीक वाले होते हैं। देश की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए भी हमे इसे बदलना होगा। चिकित्सा प्रौद्योगिकियों का सुपर हब बनना भारत की नियति है। इसके लिए हमारे नवाचार और अनुसंधान एवं विकास प्रणाली को उत्कृष्टता हासिल करनी होगी। और हमारे उद्योग को खुद को दुनिया भर में उच्च-स्तरीय और नवीन मेडटेक उत्पादों के आपूर्तिकर्ता के रूप में बदलना होगा।

सरकार ने हाल ही में मेडटेक सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। चिकित्सा उपकरण पार्क विकसित किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति लॉन्च की गई है। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर एक राष्ट्रीय नीति जारी की गई। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक योजना (पीआरआईपी) भी हाल ही में शुरू की गई है ताकि फार्मा-मेडटेक उद्योग में वृद्धिशील नवाचार के पारंपरिक दृष्टिकोण से विघटनकारी नवाचार तक एक आदर्श बदलाव प्रदान किया जा सके। मेडटेक मित्र पहल को प्रधानमंत्री के %जय विज्ञान, जय अनुसंधान% और मेक-इन-इंडिया के आह्वान को मूर्त रूप देते हुए मेडटेक क्षेत्र के लिए नवाचार और अनुसंधान एवं विकास परिवेश को प्रेरित करने के उपरोक्त प्रयासों की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए। विकसित भारत की प्रगति में मेडटेक उत्पाद हमारे औद्योगिक पोर्टफोलियो का एक प्रमुख हिस्सा बनकर उभरेंगे।मेडटेक मित्र एक पोर्टल नहीं है, बल्कि विशेषज्ञ सहायता, सुविधा, तकनीकी सहायता और नियामक मार्गदर्शन की एक पूरी प्रणाली है। सरकार मेडटेक मित्र विंडो तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिकों, इन्नोवेटर्स, स्टार्टअप और स्थापित कंपनियों को आमंत्रित करती है। हम इनोवेटर्स इनेबलर के मित्र को लगातार सीखने और सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं।मेडटेक मित्र में भारत के मेडटेक इनोवेशन इकोसिस्टम और मेक-इन-इंडिया मिशन के लिए गेम-चेंजर बनने की क्षमता है। यह मंच किफायती, स्वदेशी, उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों और निदान के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने के भारत के प्रयासों को भी मजबूत करेगा।

-विनोद के पॉल-

भारत में दुष्प्रचार के खतरे को उजागर करने वाली डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट

बेरोज़गारी, गरीबी और बीमारी भारत के भविष्य के लिए एक बड़े खतरे के रूप में एक नया प्रतिद्वंद्वी हैः दुष्प्रचार। इस महीने की शुरुआत में जारी विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2024 देश के लिए एक चेतावनी संकेत है, जो भारत के लोकसभा चुनावों की ओर बढ़ते हुए चमक रही है। रिपोर्ट में भारत की पहचान ऐसे देश के रूप में की गई है, जहां दुष्प्रचार का जोखिम गलत जानकारी जो जानबूझकर गुमराह करने के लिए फैलाई जाती है संयुक्त राज्य अमेरिका, फिनलैंड और फ्रांस जैसी प्रौद्योगिकी-संचालित उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ साथी विकासशील देशों से भी ऊपर है। जैसे अल साल्वाडोर, पाकिस्तान और सिएरा लियोन। जिन विशेषज्ञों को विभिन्न देशों के सामने आने वाले प्रमुख जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए बुलाया गया था, उन्होंने गलत सूचनाओं को भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बताया, यहां तक कि आर्थिक असमानताओं और स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों से भी अधिक। इनमें से कोई भी अपने आप में आश्चर्यजनक नहीं है। व्हाट्सएप ग्रुप से लेकर फेसबुक तक, और एक्स पूर्व में ट्विटर से लेकर छोटे वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म तक, भारत में गलत सूचनाओं, छेड़छाड़ की गई छवियों, छेड़छाड़ किए गए वीडियो और सरासर झूठ की बाढ़ आ गई है, जो अक्सर गुस्से को भड़काने और समुदायों को विभाजित करने के लिए तैयार किए जाते हैं। डीपफेक तेजी से आम हो गया है, जो स्पष्ट यौन, डिजिटल रूप से निर्मित छवियों और वीडियो के साथ महिलाओं को लक्षित करता है। डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि दुनिया भारत में तेजी से फैल रही हेराफेरी की बीमारी को लेकर कितनी चिंतित है। यह एक ऐसा संकट है जिसमें तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। चुनौती यह है कि अक्सर, भारत में सरकारें और साथ ही प्रमुख राजनीतिक दल स्वयं प्रचार उद्देश्यों या विभाजनकारी राजनीति के लिए दुष्प्रचार का उपयोग करते हैं। राष्ट्रीय कानून में हाल के बदलाव जो संघीय सरकार को सामाजिक प्लेटफार्मों पर सामग्री को सेंसर करने में अभूतपूर्व अधिकार देते हैं और तकनीकी कंपनियों के लिए अनुपालन की आवश्यकताएं खतरे के स्तर को और बढ़ा देती हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि कुछ प्रकार की सामग्री और उसके रचनाकारों को सामाजिक प्लेटफार्मों से प्रतिबंधित करने के सरकार के फैसले चयनात्मक हैः नियमित रूप से झूठी जानकारी फैलाने वालों को न केवल जारी रखने की अनुमति है, बल्कि कुछ मामलों में, सोशल मीडिया पर प्रधान मंत्री द्वारा भी उनका अनुसरण किया जाता है। भारत में घृणा अपराध मॉनिटर हिंदुत्व वॉच को ब्लॉक करने के लिए एक्स को नियुक्त करने का सरकार का निर्णय भी उसके पूर्वाग्रहों का एक उदाहरण है। ऐसे समय में जब लगभग एक अरब भारतीय मतदाता अपनी अगली राष्ट्रीय सरकार चुनने के लिए तैयार हो रहे हैं, दुष्प्रचार एक राजनीतिक हथियार भी है और आलोचकों को बंद करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला हथियार भी जब तक कि स्वतंत्र नियामक इसमें शामिल न हों। भारतीय लोकतंत्र पहले से ही एक चौराहे पर है। अन्य कारकों के अलावा, संकट को झूठ के अलावा सच बोलने में कठिनाई के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

-त्रिवेणी देवांगन-

नवगीत

तिमिर की है रेख नभ में,
हैं अपरिचित से उजाले।
झर रही है वेदना यूँ,
नजर आते पंथ काले।।
है अमावस यह घनी सी,
दूर पूनम का ठिकाना।
जो सपने देखे हैं उजालों के,
उन्हें अब भूल जाना।।
रुदन पसरा है जमीं पर,
आज आशा रो रही है।
कैद होकर बेड़ियों में,
देह परिचय खो रही है।
साँस तजकर ज्यों बदन को,
भूल बैठी तन में आना।
जो स्वप्न देखे हैं उजालों के,
उन्हें अब भूल जाना।।
धुंध की चादर तनी है,
आज पर्वत के शिखर तक।
सो गया रवि अंक जाकर,
कौन जाए उसके घर तक।
आज खाली लग रहा है,
तेज का स्वर्णिम खजाना।
जो स्वप्न देखे हैं उजालों के,
उन्हें अब भूल जाना ।
अप्रभावी बन तनिक तू,
मरुस्थल के फूल जैसा।
कोई तोड़े पंखुड़ी को,
भूल जा है दर्द कैसा।।
चक्रवती सी हवाओं संग
तुझे जीवन बिताना।
जो स्वप्न देखे हैं उजालों के,
उन्हें अब भूल जाना।।
प्रेम का दीपक जलाता,
तू रहा पाषाण तन में।
ज्यों कोई मृग घूमता है,
भटकता है नित्य वन में।।
साँस दम भर आज ले ले,
छोड़ यह दौड़ें लगाना।
जो स्वप्न देखे हैं उजालों के,
उन्हें अब भूल जाना।।

प्रीति चौधरी मनोरमा
जनपद
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

संविधान हमारा

बहता है निर्मलता लेकर,बनकर गंगा-यमुनी धारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।
बाबासाहब का विवेक था,समरसता का भाव जगाया।
जन-जन को जिसने हर्षाया,मानवता का गीत सुनाया।।
संविधान पर गर्व हमें है,जो सद्भावों का उजियारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा
जिसने नित उत्थान दिया है,संविधान की दिव्य कहानी। (1)
देश हमारा गति करता है,नित्य प्रगति है बहुत सुहानी।।।
भाईचारा पोषित होता,अधरों पर सबके जयकारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।
जन कल्याणक तत्व महकते,गति ने नित्य लुभाया हमको।(2)
पीड़ा,दुख को सदा दूर कर,मार दिया है सबके ग़म को।।
अमन-चैन के गीत गूँजते,बना लोकहित आज सहारा ।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।(3)
सारी बातें मंगलकारी,संविधान को शोभित करतीं।
सारी शर्तें औषधि बनकर,व्यथा-वेदना को हैं हरतीं।।
बना आज परिवेश सुहाना,कभी नहीं होगा अँधियारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।(4)
बाबासाहब की थी प्रतिभा,जिसने मंगलगान सुनाया।
संविधान ने सबके मन में,आशा का नित भाव जगाया।।
हम आगे बढ़ते ही जाते,जन-गण-मन का ताव बुहारा।
हमको लगता बेहद न्यारा,संविधान नित नेहिल प्यारा।।(5)

प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे
मंडला,
मध्यप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

स्वर ले सेहत

अ - अमली लाटा मनखे खाये।
मुँह कोती ले लार बहाये।।
आ - सबो चाय मा डारँय आदा ।
कब्ज रोग जब होवय जादा।।
इ - इलायची हे बड़ गुणकारी।
खा लव जब मुँह महके भारी ।।
ई- ईख चुहक के सब झन खावव।
पेट रोग ला दूर भगावव।।
उ- उड़द दार के बने बिजोरी।
गोल-गोल अउ चिक्कन गोरी।।
ऊ- खान-पान ले मिलथे ऊर्जा।
रहिथे पोठ देह के पुर्जा।।
ए- एलोवीरा लगा चाम मा।
घूम आव सब तेज घाम मा।।
ऐ- ऐनक ऑखी मा लग जाथे।
देखे मा जब धुँधरा पाथे।।
ओ- मीठ ओखरा घलो नँदागे।
सुग्घर गुरतुर जे हा लागे।।
औ- औंरा हावय बड़ उपयोगी।
खा के राहत पावय रोगी।।
अं - अंगाकर हा गजब मिठाथे।
संग टमाटर चटनी भाथे।।
अः - आखर के पाछू मा रहिथे।
शब्द भार ला येहर सहिथे।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हाथों की लकीरों से तू भी तो बात कर

न शरमा मेरी आंखों को पढ़ मुझसे बात कर,
हम दोनों हैं तन्हा यहां कुछ भी तो बात कर,
रात युंही गुज़र जायेगी फिर हो जाएगी सुबह
मेरे हमदम मेरे दोस्त
मुस्कुरा कुछ तो बात कर,
बाद मुद्दत के मिले हैं,ये घड़ी
ग़नीमत है समझ,
कल मैं कहां तुम कहां
महबूब कुछ तो बात कर,
तुझको होगा गिला मुझसे
मुझे कोई गिला नहीं,
ये तो मुकद्दर की बात है,
तू भी तो रब से बात कर ,
मिलता है वो भी नसीब में
जो उसने लिखा नहीं,
मांग दुआ,हाथों की लकीरों से
तू भी तो बात कर,
चल ख़त्म कर आपस के
शिकवे गिले मुश्ताक़,
दिल मेरा टूट जायेगा
मासूम है, इससे बात कर,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा
मध्य प्रदेश.

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तेरे जाने के बाद

तेरे जाने के बाद
पसरी रहती हैं
यादें, मनुहार
तकरार मीठी,तीखी
फिर रूठना मनाना
बातें खट्टी मीठी
तेरे जाने के बाद
बहुत खलती है
तन्हाई
उदास मन,उदास घर
पल पल मन तरसता है
तेरे साथ को
न अच्छी लगे सुबह,
न दिन, न रात
न भाती ऋतुएँ
न बरखा,न बहार
हर मौसम लगे सुना
हर खास दिन उदास
हर त्योहार बेरंग
तेरे जाने के बाद
बस ठहर जाता है
वक्त वहीं का वहीं
हो गुम तेरी यादों में।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा,
उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

न तेरे है न मेरे हैं

न तेरे है न मेरे हैं,जो
हम सब भुगत रहे,
वो तो वक्त के थपेड़े हैं ।
अपना अपना कर्म सब कर रहे,
चाहे वो अपने है या चचेरे हैं,
उसी का फल सब भुगत रहे,
जिसको कहते वक्त के थपेड़े हैं।
आजकल की दुनिया में कर रहे सब,
एक दूजे पर प्रत्यक्ष या परोक्ष वार,
धीरे धीरे टूट रहे सब लोगों के
सामूहिक परिवार।
नीचा दिखाने में
हर कोई लगा हुआ है,
कर रहे प्रयोग अपने अचूक हथियार।
यहां कहीं नही दिखती चांदनी,
यहां तो सिर्फ अंधेरे ही अंधेरे है।
बस इसी का फल
हम सब भुगत रहे,
कहते जिसको वक्त के थपेड़े हैं।
दूसरों को बदनाम करके सोचते,
जैसे मिल गए उनको लड्डू पेड़े हैं,
पर वो भी न भूलें,
उनके कर्मों का भी हिसाब होगा वहां,
हर अच्छे बुरे का इंसाफ होगा वहां,
फिर वो भी बोलेंगे ,
अपने कर्मों का फल भगत रहे हम,
ये तेरे हैं न मेरे हैं,
सबके हिस्से आयेंगे ये,
कहते जिनको वक्त के थपेड़े हैं।
जय भी कहता सबको ,
करो कर्म तुम अपना अच्छा,
बुरा न करो,बुरा न बोलो किसी को,
ऊपरवाला सब देख रहा,
परिस्थितियां वो बना रहा
उसी हिसाब से फिर,
और हम कहते ये
तो वक्त के थपेड़े हैं,
ये तो वक्त के थपेड़े हैं।

डॉक्टर जय महलवाल
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के ठिकानों सहित पीए और एसआई के घर पर आयकर का छापा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के अंबिकापुर स्थित बंगले में आयकर विभाग (इनकम टैक्स विभाग) ने छापा मारा है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश की संयुक्त टीम बुधवार की सुबह करीब 5-6 बजे पूर्व मंत्री के बंगले में पहुंचकर जांच कर रही है। इसके अलावा टीम के अन्य सदस्यों ने उनके पीए राजेश वर्मा के राजपुर स्थित निवास व एसआई रुपेश नारंग के पुलिस लाइन स्थित आवास में भी दबिश दी है। गौरतलब है कि पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का नाम कोयला व खाद्य घोटाले के आरोपियों में भी शामिल हैं। पूर्व मंत्री के खिलाफ ईडी की टीम ने 17 जनवरी को एफआईआर भी दर्ज की है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व खाद्य एवं पर्यटन मंत्री अमरजीत भगत के खिलाफ ईडी की टीम ने कोयला घोटाले में 13 दिन पूर्व एफआईआर दर्ज की है। इसके बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि पूर्व मंत्री के घर ईडी या आईटी की टीम कभी भी छापा मार सकती है।

इसी बीच बुधवार की सुबह आयकर विभाग की मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ की संयुक्त टीम ने पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के अंबिकापुर स्थित बंगले पर छापा मारा।

टीम सुबह पुलिस बल के साथ 7-8 गाडियों में पूर्व मंत्री के बंगले पहुंची और जांच शुरु की। बंगले के बाहर पुलिस की कड़ी सुरक्षा लगाई गई है। पूर्व मंत्री के बंगले पर छापे से उनके समर्थकों में हडकंप मचा हुआ है।

आयकर विभाग की टीम ने पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के सीतापुर स्थित कार्यालय, रायपुर स्थित आवा, गृहग्राम पार्वतीपुर स्थित निवास सहित अन्य ठिकाने पर भी दबिश दी है।रायपुर स्थित आवास, गृहग्राम पार्वतीपुर स्थित निवास सहित अन्य ठिकाने पर भी दबिश दी है।

इसके अलावा टीम रायपुर के टेंट कारोबारी हरपाल सिंह अरोरा को अंबिकापुर से पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। टेंट कारोबारी अंबिकापुर के सरगवां स्थित एक होटल में रुका था।

पीए व एसआई के घर भी पहुंची आईटी की टीम

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के पीए राजेश वर्मा के राजपुर स्थित आवास पर भी आयकर विभाग की टीम ने सुबह दबिश दी है। वहीं सब इंस्पेक्टर रुपेश नारंग के अंबिकापुर पुलिस लाइन स्थित आवास में भी टीम जांच कर रही है। पूर्व मंत्री अमरजीत के बंगले में आयकर का छापा, पीए और एसआई के घर भी दबिश, रायपुर के टेंट कारोबारी को होटल से उठायासब-इंस्पेक्टर नारंग पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के करीबी माने जाते हैं। इसके अलावा आईटी की टीम ने अंबिकापुर स्थित पाइप कारोबारी समेत अन्य बिल्डरों के ठिकाने पर भी छापा मारा है।

गंगापुर शराब दुकान को प्रतीक्षा बस स्टैंड में कराया जाएगा शिफ्ट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

मेयर इन कौंसिल की बैठक बुधवार को नगर निगम स्थित महापौर कक्ष में हुई। बैठक की अध्यक्षता महापौर डॉ. अजय तिर्की ने की। इस दौरान 25 एजेंडों पर चर्चा की गई। जिसमें सबसे अहम मुद्दा गंगापुर अंग्रेजी शराब दुकान को अन्यत्र स्थापित करने के संबंध में निर्णय लिया गया। गंगापुर अंग्रेजी शराब दुकान को प्रतिक्षा बस स्टैंड में शिफ्ट कराया जाएगा। इसे लेकर एमआईसी सदस्यों ने सहमती दी है।

एमआईसी की बैठक में कुल 25 एजेंडों पर चर्चा हुई। जिसमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं सुखद सहारा पेंशन योजना के मुद्दे पर चर्चा की गई। जिसमें पाया गया कि पेंशन संबंधी एक भी मामले पेंडिंग नहीं है। सर्वे सूची के नाम आने पर पात्रता तय किया जाता है। वहीं नगर निगम में रिक्त सहायक अभियंता के पद पर विभागीय पदोन्नति को लेकर चर्चा की गई। जिसमें पाया गया कि निगम क्षेत्र में कुल 48 वार्ड के में मात्र एक ही एसडीओ पदीप पैकरा हैं। जिनके ऊपर कार्य का दबाव रहता है। इस लिए एसडीओ दुशवंत बजाज को भी 24 वार्ड की जिम्मेदारी दी जाए ताकि कोई भी काम समय पर पूर्ण हो सके। वहीं पीएचई विभाग के लिए टेक्निकल एसडीओ नियुक्त किए जाएंगे। जिसे प्रस्ताव में शामिल किया गया। वहीं विभिन्न 30 पद रिक्त हैं। जिन्हें शासन को प्रस्ताव बनाकर भेजने की सहमती बनी है। वहीं निगम आयुक्त द्वारा 10 कर्मचारियों को मेरिट के आधार पर प्रमोशन किया गया है। आगे पद रिक्त होने पर पदोन्नत किया जाएगा।सरगवां स्थित वाटर पार्क में बच्चों के बौद्धिक व शारीरिक विकास के लिए खेल एवं मनोरंजन से संबंध उपकरण संचालन के लिए निगम के पास प्रस्ताव आया है। जिसे लेकर एमआईसी में चर्चा की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि इसके लिए विज्ञान निकाला जाएगा और रेट तय किया जाएगा। इसके बाद पीपीटी मॉडल के तहत बनाने का निणर्य लिया गया है। वहीं पार्क के 15 प्रतिशत हिस्से में बच्चों के खेल व मनोरंजन के उपकरण लगाने की बात कही गई है। एमआईसी में निगम स्वामित्व के विभिन्न भवनों के आरक्षण शुल्क में वृद्धि को लेकर चर्चा की गई। जिसमें एमआईसी द्वारा निर्णय लिया गया है कि हर तीन साल में 15 प्रतिशत राशि की बढ़ोतरी की जाएगी। वहीं सामुदायिक भवनों की रख रखाव व देख रेख के लिए कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे। इस कार्य के लिए विधवा व परित्यागता महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। एमआईसी में गंगापुर स्थित अंग्रेजी शराब दुकान उन्यत्र स्थापित करने के संबंध में चर्चा की गई। जिसमें निणर्य लिया गया है कि गंगापुर शराब दुकान को हटाकर प्रतिक्षा बस स्टैंड के अंदर वाले परिसर में शिफ्ट कराया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा। एमआईसी की बैठक में प्रभारी निगम आयुक्त टीसी अग्रवाल, एमआईसी सदस्य शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा, शैलेंद्र सोनी, गुड्डु मेराज, गीता प्रजापति सहित अन्य सदस्य व विभाग के प्रभारी उपस्थित थे।

हाथी के हमले में भाजयुमो उपाध्यक्ष के बड़े पिता की मौत

- संवाददाता -
प्रतापपुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

बुधवार को ए वन परिक्षेत्र घुई के वन क्षेत्र रेवटी में जंगली हाथियों के एक अन्य दल के हाथी ने एक ग्रामीण को मौत के घाट उतार दिया। सोमवार को ही वन परिक्षेत्र प्रतापपुर में विचरण कर रहे 27 हाथियों के दल के एक हाथी ने ग्राम बैकोना में एक युवक को गन्ने के खेत में पटक कर मार डाला था। जानकारी के अनुसार वन क्षेत्र रेवटी के चांचीडाड़ यादवपारा निवासी व प्रतापपुर भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष पप्पू यादव के बड़े पिताजी बोधन यादव पिता मनु यादव 65 वर्ष सुबह पांच बजे के लगभग कुछ दूरी पर स्थित ग्राम गोवर्धनपुर के झोर जंगल में स्थित नदी में शौच के लिए गए थे। इसी दौरान जब वे शौच कर वापस आ रहे थे तो उनका सामना बलरामपुर की ओर से पहुंचे 33 हाथियों के दल के एक हाथी से हो गया। अचानक हाथी को सामने देखकर बोधन यादव अपनी जान बचाने के लिए भागे। पर हाथी ने उनको दौड़ाकर अपने चपेट में ले लिया और उन्हें अपनी सूंड़ में लपेटकर जमीन पर पटकते हुए पैरों से कुचल दिया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम घटना से संबंधित जरुरी औपचारिकताएं पूरी करने में लगी हुई है।

बताया जा रहा है कि इस हाथी के अलावा दल से अलग होकर कुछ अन्य हाथी भी इधर से उधर हो गए थे। इनमें से कुछ ग्रामीणों की बस्ती में भी प्रवेश कर ग?ए थे। मौके पर मौजूद वन विभाग की टीम ने दल से अलग हुए हाथियों को कड़ी मशक्कत के बाद फिर से दल में मिला दिया है। तथा दल को गोरगी व धुमाडांड़ के बीच में मौजूद ढलमेला जंगल में खदेड़ दिया है। हाथियों के इस दल का एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहा है। इधर बड़ी संख्या में क्षेत्र के भीतर विचरण कर रहे हाथियों के हमले में रोजाना हो रही जनहानि से ग्रामीण काफी भयभीत स्थिति में हैं। इधर वन विभाग भी हाथियों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखते हुए जनहानि को रोकने का पूरा प्रयास कर रहा है। फिर भी ग्रामीणों की रोजाना जान ले रहे व उनकी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे जंगली हाथियों को रोकना मुश्किल होता जा रहा है। इस दिशा में शासन को कोई ठोस रणनीति बनाने की जरूरत है अन्यथा हाथियों के हमले में हो रही जनहानि का सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

सैकड़ो गाड़ी फिटनेस के लिए समय पर कार्यालय पहुंच रही पर परिवहन अधिकारी समय पर नहीं पहुंच रहे कार्यालय...वाहनों का नहीं हो पा रहा फिटनेस

- वाहन का फिटनेस करने के लिए देर रात तक अधिकारी का इंतजार...फिर भी नहीं पहुंचते अधिकारी बिना जांच फिटनेस के लौटती है वाहन
- अंबिकापुर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में मनमानी खत्म होने का नहीं ले रहा नाम
- क्या संभागीय उड़न दस्ता दल सिर्फ वसूली में व्यस्त,वाहनों की जांच करने की बजाए वसूली ही उद्देश्य?
- उड़न दस्ता दल क्यों नहीं करता यात्री बसों व टैक्सी परमिट गाड़ियों की जांच?
- अंतरराज्यीय यात्री बस बारात परमिट पर दौड़ रहे क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को है जानकारी फिर भी नहीं होती कार्यवाही
- परमिट किसी भी राज्य के बॉर्डर तक पर राज्य के कई जिलों में बिना परमिट यात्रियों को लेने पहुंच जाती हैं अंतरराज्यीय बस
- परमिट किसी अन्य वाहन की और उसी परमिट पर दौड़ती है कोई अन्य वाहन पर उड़न दस्ता प्रभारी नहीं पकड़ पाते ऐसे वाहनों को

- भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर 31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में मनमानी खत्म होने का नहीं ले रहा नाम। पिछले एक हफ्ता से वाहन संचालक फिटनेस करने के लिए हो रहे परेशान। सूरजपुर के जिला परिवहन अधिकारी को बनाया गया है अंबिकापुर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय प्रभारी अधिकारी पर समय पर नहीं पहुंचते अंबिकापुर। प्रतिदिन फिटनेस करने बस व ट्रक पहुंचती है कार्यालय पर बिना फिटनेस लौटना पड़ता है वापस। उड़न दस्ता दल क्यों नहीं करता यात्री बसों व टैक्सी परमिट गाड़ियों की जांच? अंतरराज्यीय यात्री बस बारात परमिट पर दौड़ रहे क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को है जानकारी फिर भी नहीं होती कार्यवाही। परमिट किसी भी राज्य के बॉर्डर तक पर राज्य के कई जिलों में बिना परमिट यात्रियों को लेने पहुंच जाती हैं अंतरराज्यीय बस।

जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंबिकापुर में अव्यवस्था का आलम परेशानियों का अंबार है और वसूली का अड्डा बना हुआ है, यहां पर पदस्थ कर्मचारी व अधिकारी बेलगाम है मनमानी उनका काम है, पिछले एक हफ्ता से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अंबिकापुर वाहन मालिकों को परेशान कर रहा है उसकी वजह यह है कि क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी 7 दिनों से छुट्टी में है और आगे कई दिनों तक छुट्टी में रहेंगे, जिस वजह से सूरजपुर के जिला परिवहन अधिकारी को वहां का प्रभार दिया गया है, पर वह वहां पर समय पर नहीं पहुंचते जबकि फिटनेस के लिए वहां वाहन सुबह से ही आकर खड़ी हो जाती है और प्रभारी परिवहन अधिकारी के आने का इंतजार होता है पर अधिकारी पहुंचे नहीं पाते और वाहन फिटनेस के लिए सुबह से रात तक खड़ी हो जाती हैं और फिर शाम को उन्हें बिना फिटनेस जाना पड़ता है यह समस्या पिछले एक हफ्ते से देखी जा रही है पर इस और किसी का भी ध्यान नहीं है, बस से लेकर व्यावसायिक गाड़ियां फिटनेस के लिए यह तो आ जाती है क्यों की उनकी यह मजबूरी है कि अपना काम धाम सब छोड़कर सड़क पर चलने के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत है जो सर्टिफिकेट कार्यालय से मिलेगा पर कार्यालय की स्थिति यह है की अधिकारी समय पर पहुंचते नहीं और फिटनेस होता नहीं जबकि वाहन मालिकों का कहना है की फिटनेस के लिए जिस तिथि को निर्धारित किया जाता है इस तिथि पर हम वाहन लेकर पहुंचते हैं पर इसके बावजूद उसे तिथि पर फिटनेस ना होना हमारे समय के साथ-साथ हमारे व्यापार का भी नुकसान है।

उड़न दस्ता जांच में नहीं वसूली में व्यस्त

सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग द्वारा संभागीय स्तर पर उड़न दस्ता दल गठित कर रखा गया है ताकि सड़क सुरक्षा पर ध्यान दिया जा सके पर क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर का संभागीय उड़न दस्ता दल इस समय अलग ही दास्तान बयां कर रहा है, इन्हें वाहन जांच करने में दिलचस्पी नहीं है सिर्फ उगाही में इनका ध्यान है यही वजह है कि यात्री बसें बिना परमिट की दौड़ रही हैं और जो बस दौड़ भी रही है तो परमिट किसी और का और चल रही है कोई और बस यहां तक की कंडम बसें भी सड़कों पर दौड़ रही हैं पर उड़न दस्ता प्रभारी को जांच करने की फुर्सत नहीं सूत्रों की माने तो उड़न दस्ता दल प्रभारी के गाड़ी में दो अन्य निजी व्यक्ति बैठे रहते हैं और वह हमेशा उस गाड़ी में उनके साथ मिल जाएंगे ऐसा बताया जाता है कि जांच के एवज में सिर्फ उगाही होती है और उगाही का पैसा उन दोनों निजी लोगों के खाते में अलग-अलग माध्यम से जाता है फिर उनके खाते से प्रभारी साहब के खाते में जाता है यदि जांच हो जाए तो उगाही की असलियत ही खुल जाएगी पर सवाल यह है कि आखिर जांच करें तो करेगा कौन क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी का काम नहीं है जांच करना फिर भी उड़न दस्ता दल सही तरीके से काम ना कर पाने की वजह से शिकायतों पर उन्हें खुद उतरना पड़ता है जांच में। जांच में निष्पक्षता नहीं सिर्फ दिखती है तो वसूली।

यात्री बसों की परमिट में सबसे बड़ा झोल

छत्तीसगढ़ में अंतरराज्यीय यात्री बसों के परमिट में सबसे बड़ा झोल देखने को मिलता है, वह झोल है कि यात्री बसें टूरिस्ट परमिट पर एक राज्य से दूसरे राज्य यात्रियों को लेकर जा रहे हैं, सबसे बड़ा आश्चर्य की बात तो यह है कि संभागीय उड़नदस्ता दल मौजूद होने के बाद आखिर ऐसा कैसे हो रहा है? सूत्रों की माने तो कुछ ऐसी भी यात्री बसें हैं जो छत्तीसगढ़ के बाहर से आती हैं और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर के जिले का परमिट लाते हैं और छत्तीसगढ़ के कई जिलों से यात्री भरकर रोज आती है और जाती हैं। पर यह सब जानकारी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों व उड़न दस्ता दल को है पर कार्यवाही नहीं है।

कंडम बसें दौड़ रही सड़कों पर

यात्री बसें जो यात्रियों को लेकर सड़कों पर दौड़ रही है उसमें से लगभग यात्री बस कंडम हालत में है किसी का हेडलाइट टूटा है तो किसी का सामने का कांच टूटा है तो किसी का ब्रेक लाइट टूटा है यदि देखा जाए तो यात्रियों को बिना सुविधा वाली वाहनों में सफर करना पड़ रहा है, जो खतरे से खाली नहीं है फिर भी उड़ान दस्ता दल इन वाहनों पर कार्यवाही कर पाने में असमर्थ दिख रहा है। कई यात्री बस तो ऐसी हैं जिसमें यात्री बरसात में बैठकर जाते तो जरूर है पर टपकती बस की छतो की वजह से भीग भी जाते हैं। बस से पानी टपकने के बावजूद यात्रियों को पैसा देने के बाद बस में यात्रा करना मजबूरी बन जाता है।

दुर्घटना होने पर भी नहीं पहुंचते उड़न दस्ता दल प्रभारी,दुर्घटना स्थल पर

उड़न दस्ता दल का यह भी काम है कि यदि यात्री बस है या स्कूल बस कभी कोई हादसा होता है तो वहां पर पहुंचकर जांच परख करना चाहिए पर ऐसा करने से भी उड़न दस्ता दल परहेज करता है ,किसी भी गंभीर दुर्घटना में उड़न दस्ता दल नहीं पहुंचता जिस वजह से दुर्घटना की वजह का पता नहीं चलता ,कई बार दुर्घटना यात्री बसों की कमियों की वजह से भी हो जाती है जिसे उड़न दस्ता दल नजअंदाज करता है।

यात्री बसें बन गई है माल वाहक बसें

यात्री बसों का काम है यात्रियों को लेकर चलना पर अधिकांश यात्री बसें यात्रियों से ज्यादा माल वाहक बनकर दौड़ रहीं हैं, यात्रियों से ज्यादा कमाई उन्हें माल ढोने में हो रही है जिस वजह से वह माल वाहक यात्री बसें बनकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं,पर उड़न दस्ता दल को जांच करने की फुर्सत नहीं।

20 प्रतिशत बस बिना परमिट की दौड़ रही हैं,वहीं 60 प्रतिशत कंडम बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं

पूरे संभाग में यदि यात्री बसों की हालत की बात की जाए तो 20 प्रतिशत यात्री बसें बिना परमिट के यात्रियों को लेकर सड़कों पर दौड़ रही हैं जिसकी सुध लेने की फिक्र उड़न दस्ता दल को नहीं है वहीं 60 प्रतिशत बसें कंडम हालत में हैं जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का सबब बन सकती हैं यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है,लेकिन उड़नदस्ता दल को कोई वास्ता नहीं इन सभी चीजों से उसे केवल समय पर वसूली से मतलब है जो वह कर रहा है। आज यात्री बसों को देखकर ही जाना जा सकता है किस बस की कैसी हालत है फिर भी उड़नदस्ता दल इस देखकर अनदेखा कर रहा है यात्रियों की जान जोखिम में डाल रहा है।

आखिर दो निजी व्यक्ति उड़नदस्ता दल प्रभारी के साथ प्रतिदिन क्यों दिखते हैं उनकी गाड़ी में?

एक सवाल यह भी है जो लगातार उठ रहे हैं की उड़नदस्ता दल प्रभारी की गाड़ी में दो निजी लोग क्या करते रहते हैं। वह किस काम के लिए उनकी गाड़ी में नियुक्त हैं। लोगों का कहना है की उड़न दस्ता दल प्रभारी जब भी जांच में निकलते हैं उनकी गाड़ी में दो उनके निजी लोग सवार रहते हैं जिसकी जांच किए जाने की बात भी लोग कह रहे हैं।

यात्री व स्कूल बसों के दुर्घटना पर भी नहीं पहुंचता उड़नदस्ता दल

कभी कोई यात्री बस या कोई स्कूल बस जब दुर्घटना ग्रस्त होती है तब भी उड़नदस्ता दल प्रभारी दुर्घटना स्थल पर नहीं पहुंचते हैं जबकि उन्हे पहुंचना चाहिए और कारण की जांच की जानी चाहिए की आखिर क्यों दुर्घटना हुई क्या दुर्घटना का कारण बस की कोई कमी है या अन्य कोई कारण। कुल मिलाकर उड़नदस्ता दल प्रभारी अपने कर्तव्य से लगातार मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं।

हिंदुओं के लिए नए युग की शुरूआत,प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर बोले कनाडा के सांसद चंद्र आर्य

ओटावा,31 जनवरी 2024। 22 जनवरी को अयोध्या में हुए राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दुनियाभर से अभी भी तमाम प्रतिक्रियाएं आ रही है। भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने समारोह की सराहना करते हुए कहा कि दुनियाभर में 1.2 अरब हिंदुओं के लिए एक युग की शुरूआत है। बुधवार को राम मंदिर पर कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि उन्होंने ओटावा स्थित हिंदू मंदिर में इस भावनात्मक क्षण के समारोह को लाइव कवरेज के जरिए देखा। दुनिया के सबसे पुराने धर्म के इतिहास में 22 जनवरी 2024 एक नए युग की शुरूआत हुई।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक भावनात्मक क्षण- आर्य

कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि सदियों का इंतजार और लोगों के बलिदान के बाद अयोध्या में दिव्य राम मंदिर का उद्घाटन भगवान राम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा के साथ किया गया। इस कार्यक्रम को पूरे कनाडा में मौजूद लगभग 115 मंदिरों में अन्य लोगों की तरह मैंने भी कार्यक्रम का लाइव कवरेज देखा,जो वास्तव में एक

भावनात्मक क्षण था।

विश्व गुरू बनने के लिए सभ्यता का पुनर्निर्माण कर रहा भारत- आर्य

भारत और कनाडा को एक-दूसरे का साझेदार बताते हुए कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के लिए अपनी सभ्यता का पुनर्निर्माण कर रहा है। दोनों देश आर्थिक अवसरों को साझा करने और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए हम एक प्राकृतिक साझेदार हैं। गौरतलब है कि अयोध्या में 22 जनवरी को पीएम मोदी की उपस्थिति में अनुष्ठान के बाद प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामलला की मूर्ति का अनावरण किया गया था। इस कार्यक्रम में दुनियाभर की कई बड़ी हस्तियों को आमंत्रित किया था।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दिन अयोध्या नगरी भक्तिमय दिखाई दी

खास बात है कि अयोध्या में रामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ने विश्वभर के देशों के लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। कई देशों में लोगों ने बड़े स्तर पर मिट्टी के दीए जलाए साथ ही भारत के कई इलाकों में रात के समय जमकर आतिशबाजी की गई। इस दौरान अयोध्या नगरी पूरी तरह से भक्तिमय हो गई। गलियों और सड़कों में भक्तों के राम नाम के जप ही सुनाई दे रहे थे।

अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट के पास दुर्घटनाग्रस्त

सियोल,31 जनवरी 2024। अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान बुधवार को दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दक्षिण कोरिया की स्थानीय मीडिया ने अमेरिकी वायुसेना के हवाले से इस घटना की जानकारी दी है।

पायलट की बची जान

एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि विमान का पायलट दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले ही विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहा। पायलट को बचा लिया गया है। सियोल से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में

कुनसन एयर बेस में पीले सागर के ऊपर सुबह के करीब 8:41 बजे विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दक्षिण कोरिया और अमेरिकी अधिकारियों के संयुक्त प्रयास से पायलट को साढ़े नौ बजे दुर्घटनास्थल से बाहर निकाला गया। अमेरिकी वायुसेना के अनुसार, पायलट की हालत स्थिर है और विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच भी जारी है। आठवें फाइटर विंग कमांडर कोलोनेल मैथ्यू सी. गेटके ने कहा, हम दक्षिण कोरिया के बचाव दल और अपनी टीम का धन्यवाद करते हैं,जिन्होंने पायलट की जान बचाई। अब हम विमान को ढूंढने की कोशिश करेंगे।

एक साल में तीसरी घटना

एक साल में तीसरी बार एफ-16 लड़ाकू विमान दक्षिण कोरिया में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। दिसंबर में आठवें फाइटर विंग का एफ-16 विमान पीले सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। वहीं इससे पहले मई में अमेरिका के 51वें फाइटर विंग का एफ-16 प्योंगटेक के ओसान एयर बेस पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सरेआम चाकूबाजी का शिकार बने मालदीव के महाभियोजक

हमलावरों ने घात लगाकर बनाया निशाना

माले,31 जनवरी 2024। मालदीव के महाभियोजक हुसैन शमीम, जिन्हें मालदीव की पिछली सरकार ने नियुक्त किया था,उन पर बुधवार को माले में हमला हो गया। बताया गया है कि उन पर सरेआम सड़क पर चाकू मारी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक,हमलावरों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। घटना की पुष्टि करते हुए एक स्थानीय मीडिया आउटलेट ने बताया कि यह एक पुनर्नियोजित हमला हो सकता है। फिलहाल शमीम का इलाज मालदीव के एडीके अस्पताल में कराया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि उन पर शहर की भीड़भाड़ वाली गली में हमला हुआ। इस घटना पर मालदीव की विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी (मोहम्मद नशीद की विपक्षी पार्टी) ने आक्रोश जताया है। पार्टी ने बयान जारी कर कहा है कि एक उच्च संवैधानिक पद पर नियुक्त अफसर पर इस तरह का हमला पूरे सिस्टम पर हमला है। वह भी तब जब

वह शख्स राजनीति से बचकर आपराधिक न्याय प्रणाली में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। यह खतरनाक संकेत हैं। इस मामले में मालदीव पुलिस जांच कर रही है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, यह हमला तब हुआ, जब शमीम अपने दफ्तर जा रहे थे। हमलावर ने पहले उन पर हथौड़े से हमला किया और उनके बाएं हाथ को घायल कर दिया। फिलहाल अस्पताल में उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

मालदीव में पहले ही जारी है सियासी तनाव

गौरतलब है कि मालदीव में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही तनाव की स्थिति पैदा हो गई। बीते दिनों मालदीव की संसद में सरकार और विपक्षी सांसदों के बीच मारपीट भी हुई थी। दरअसल, विपक्ष अब मुइज्जू के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी में है। इसे लेकर मालदीव सरकार चिंता में है। विपक्ष ने मुइज्जू पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत को लेकर दिए बयानों पर माफी मांगने के लिए कहा है।

डबल डेकर यात्री बस और ट्रेलर के बीच भीषण भिड़ंत, 19 लोग जिंदा जले

मेक्सिको सिटी,31 जनवरी 2023। उत्तरी मेक्सिको में माजातलान-कुलियाकन राजमार्ग पर एक डबल डेकर यात्री बस के एक ट्रेलर से टकरा जाने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। सिनालोआ राज्य की अटॉर्नी जनरल सारा ब्रूना क्विनोनेज़ एस्ट्राडा ने इस घटना पुष्टि की है। यह दुर्घटना तड़के घटित हुयी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक संदेश में

सिनालोआ राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के प्रमुख ने कहा, अभी भी हमारे पास यात्रा करने वाले लोगों की कुल संख्या नहीं है। हम (बस) कंपनी की सूची से इसकी तुलना करने की प्रक्रिया में हैं।

लावारिस हालत में नदी किनारे 3 टन अवैध कोयला लोड ट्रैक्टर वाहन को पुलिस ने किया जप्त

– संवाददाता –
लखनपुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमेरा गुमगरा कला,नाग माडा, खाल कछार में लंबे समय से तस्करों के द्वारा नदी किनारे खड्डे खोदकर कोयला का उत्खनन कर परिवहन किया जाता रहा है। साथ ही अवैध कोयला को सरगुजा सहित आसपास के जिलों में खपाने का कार्य लंबे समय से जारी है। जिसे लेकर समय-समय पर प्रशासनिक टीम के द्वारा कार्यवाही भी की जाती रही है।

इसी कड़ी में लखनपुर पुलिस ने 3 टन अवैध कोयला लोड ट्रैक्टर वाहन जप्त करते हुए आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक बिना नंबर के महिंद्रा ट्रैक्टर वाहन जिसमें 3टन अवैध कोयला लोड लावारिस हालत में पीपरखार घुनघुट्टा नदी किनारे खड़ा था। मुखबिर की सूचना मिलने उपरांत लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और अवैध कोयल लोड ट्रैक्टर वहांन को जप्त कर थाने लेकर आई है। उक्त कोयले की कीमत 15000 हजार बताई जा रही है। वहीं लखनपुर पुलिस कोयला के अवैध उत्खनन व परिवहन पर अंकुश लगाने को लेकर लगातार गुमगरा अमेरा चिलबिल क्षेत्र में पेट्रोलिंग ग्रस्त की जा रही है।

धोखाधड़ी का आरोपी ने किया थाने में समर्पण

– संवाददाता –
अंबिकापुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

ओडिशा के छड़ निर्माता व्यवसायी से 46 करोड़ रुपए धोखाधड़ी किए जाने के मामले में एक और आरोपी बुधवार को कोतवाली में समर्पण कर दिया है। पुलिस ने पूर्व में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है।

पंकज अग्रवाल राउरकेला ओडिशा का निवासी है। वह छड़ निर्माता कंपनी का संचालक है। उसने 16 मई 2023 को कोतवाली अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अंबिकापुर के मायापुर निवासी केके अग्रवाल व इसके बेटे राहुल द्वारा साथ में व्यवसाय करने के नाम पर 46 करोड़ रुपए की ठगी अपने साथी व रिश्तेदारों के साथ मिलकर की गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र सहित 5 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। वहीं अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। मामले में पुलिस ने फरार आरोपी अमन अग्रवाल पिता देशराज अग्रवाल उम्र 27 वर्ष निवासी खडिया बाजार शक्तिनगर जिला सोनभद्र यूपी ने बुधवार को कोतवाली में समर्पण कर दिया है। जिसे पुलिस ने कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

बिक्री के लिए रखा था 50 लीटर महुआ शराब,आबकारी विभाग के उडऩदस्ता टीम ने की कार्रवाई

– संवाददाता –
अंबिकापुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

आबकारी विभाग के संभागीय उडऩदस्ता टीम ने बुधवार को ग्राम करम्हा में छापामार कर 50 लीटर महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह बिक्री करने के लिए घर में महुआ शराब रखा था। उडऩदस्ता टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

आबकारी विभाग के संभागीय उडऩदस्ता टीम को बुधवार को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम करम्हा निवासी सोहर रवि अपने घर में भारी मात्रा में महुआ शराब बनाकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर उड़दस्ता टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान सोहर व उसकी पत्नी टीम के साथ गाली गलौज करते हुए तलाशी में व्यवधान उत्पन्न करने लगे। काफी मशक्कत के बाद उडऩदस्ता टीम ने घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर से 50 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया। जिसे टीम ने जब्त कर आरोपी सोहर रवि को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ धारा 34(1) ख, 34 (2) 40 (ए) एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता, आरक्षक रमेश दुबे, आरक्षक अशोक सोनी, रामाधार कुशवाहा, गणेश पांडे, रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी एवं ममता शामिल रहे।

जिला पंचायत की सामान्य सभा में धान खरीदी व मनरेगा के लंबित भुगतान का उठाया गया मामला

– संवाददाता –
अंबिकापुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक बुधवार को आयोजित हुई। बैठक में धान खरीदी के पश्चात् किसानों को किये जा रहे भुगतान के साथ मनरेगा के लंबित भुगतान का मामला उठाया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने इस बात को चर्चा में लाया और प्रशासन को जानकारी देने को कहा कि क्या भाजपा के घोषणापत्र में अनुसार किसानों को धान खरीदी के उपरांत 3100 रुपए की दर पर भुगतान हो रहा है अथवा नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार सरकार धान खरीदी के उपरांत मात्र एमएसपी का भुगतान कर रही है। जबकि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल एकमुश्त भुगतान करेगी। भुगतान की जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है, उससे यह स्पष्ट होता है कि भाजपा सरकार 3100 रुपए के एकमुश्त भुगतान के अपने वायदे से पीछे हट गई है। उन्होंने प्रशासन से प्रदेश सरकार की ओर से 3100 रुपए के एकमुश्त भुगतान के लिये प्रेषित किसी दिशा निर्देश की जानकारी भी मांगी। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में यह तथ्य भी चर्चा में आया कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में वर्ष 2016-2017 के बोनस की घोषणा की भी, इसके विपरीत 2014-2015 का बोनस दिया गया है। 2014-2015 की तुलना में वर्ष 2016-2017 में पंजीकृत किसानों की संख्या ज्यादा थी।

घोषणापत्र के अनुरुप वर्षो का बोनस वितरण नहीं होने से बडी संख्या में किसान बोनस के लाभ से वंचित हो गये। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक में मनरेगा के लंबित भुगतान की राशि पर भी चर्चा हुई। केन्द्र सरकार की नितियों के कारण मनरेगा के बजट व कार्यों में काफी कटौती हो चुकी है। मनरेगा के अन्तर्गत लक्ष्य के 130 प्रतिशत का कार्य सरगुजा जिले में हो चुका है। 13 करोड़ की मजदूरी का भुगतान लंबित है। प्रशासन से कहा गया कि वो जल्द से जल्द उपरोक्त राशि के भुगतान की व्यवस्था करें।

अलग-अलग मामलों में चार की मौत,जांच में जुटी पुलिस

8 माह के बच्चे की हत्या कर फरार हुई महिला का तालाब में मिला शव जांच में जुटी पुलिस

– संवाददाता –
लखनपुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सकरिया में 25 जनवरी की रात 8 माह के बच्चे की बेरहमी से हत्या कर फरार हुई महिला का शव 31 जनवरी दिन बुधवार की सुबह ग्राम कुन्नी के तालाब में मिला। जिस क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है।मिली जानकारी के मुताबिक फूल कुमारी चौहान पति पवन चौहान उम्र 22 वर्ष ग्राम सकरिया निवासी जो छेरता पर्व 25 जनवरी दिन बुधवार को पति के शराब पीने से तंग आकर गुस्से में महिला ने अपने 8 माह के दूध मुहे बच्चे की चाकू से गला और पेट में हमला कर बेरहमी से हत्या कर फरार हो गई थी।जिसके एक सप्ताह के बाद 31 जनवरी दिन बुधवार को ग्राम कुन्नी के तालाब में सुबह 11ः00 बजे शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुचना उपरांत कुन्नी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया गया। पंचरामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा चीरघर में रखा गया है। साथ ही पुलिस के द्वारा महिला के माता-पिता को इसकी सूचना दी गई है फिलहाल पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। वही संबंध में पुलिस के द्वारा बताया गया की प्रथम दृष्टया में पानी में डूबने से मौत हुई है यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने उपरांत ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

दिमागी रूप से बीमार 14 वर्षीय नाबालिक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम लब्जी के आश्रित ग्राम सेलरा में दिमागी रूप से बीमार 14 वर्षीय नाबालिक पहाड़ी कोरवा बालिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी के मुताबिक 25 जनवरी को कलिस्ता कोरवा पिता प्रेम कोरवा उम्र 14 वर्ष लालमाटी निवासी जो अपनी मां के साथ बड़ी बहन के ससुराल ग्राम सेलरा में छेड़ता त्यौहार मनाने आई हुई। 14 वर्षी नाबालिक पहाड़ी कोरबा बालिका परिजनों को बिन बताएं लापता हो गई। परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन की गई। 30 जनवरी दिन मंगलवार को गाव के समीप बने झाला में फांसी के फंदे पर झूलता नाबालिक का शव मिला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई कुन्नी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई कर 31 जनवरी दिन बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द कर मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

21 वर्षी युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या आत्महत्या से पूर्व युवक ने घर में छोड़ सुसाइड नोट लिखा सॉरी पापा

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लटोरी घुमका पारा में 21 वर्षीय युवक कौशल पिता गंगाराम जो 30 जनवरी से 31 जनवरी की दरमियां की रात 9ः00 बजे से सुबह 4ः00 बजे के बीच घर के पीछे बड़ी से लागे नीम पेड़ में प्लास्टिक रस्सी से फांसी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।वहीं फांसी लगाने से पूर्व युवक ने घर में एक सुसाइड नोट छोड़ा था जिसमें लिखा हुआ था सॉरी पापा फिलहाल लखनपुर पुलिस के द्वारा शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा कर शव को परिजनों को सुपुर्द किया है साथ ही मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

बीमारी से परेशान होकर 45 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ग्राम कटकोना में 45 वर्षीय महिला शीला पैकरा पति मोहन राम जो पिछले 10 वर्षों से टीवी की मरिज थी। 30 जनवरी से 31 जनवरी की रात 11:00 बजे से सुबह 6:00 बजे के बीच बीमारी से परेशान होकर घर से 200 मीटर की दूर खेत में सेधुआर पेड़ में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली वहीं लखनपुर पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

क्या वसूली के पैसे से आज गुलजार होगा कोरिया जिले का झुमका जल महोत्सव ?

दोपहर 2 बजे आएंगे सीएम विष्णुदेव साय...झुमका जल महोत्सव का करेंगे शुभारंभ...5 शिकारा वोट झुमका पहुचीं,कल होगा लोकार्पण

सरकारी पैसे के साथ वसूली के पैसे भी लगेंगे झुमका जल महोत्सव में:सूत्र

संबंधित विभाग के अधिकारी अपने-अपने विभाग के ठेकेदार व संचालकों से कर रहे वसूली

निर्माण एजेंसी ठेकेदारों से तो वहीं खनिज विभाग क्रेशर व ईट भट्ठों वालों से कर रहे वसूली:सूत्र

एसईसीएल ने भी झुमका जल महोत्सव के लिए दिए लाखों फिर भी कम पड़ रहा पैसा ?

क्या वसूली के पैसे से गुलजार होगा झुमका जल महोत्सव ?

झुमका जल महोत्सव कोरिया जिले में दूसरी बार आयोजित होने जा रहा है वहीं यह पूरी तरह शासकीय आयोजन स्वरूप मनाया जाना तय है। इस आयोजन में खर्च भी शासकीय मद से किया जायेगा जिसका भुगतान भी नियमानुसार होगा,फिर भी कार्यक्रम के लिए वसूली समझ से परे है। कार्यक्रम के लिए सूत्रों की माने तो जमकर वसूली हो रही है। ठेकेदारों ,क्रेशर संचालकों,ईट भट्ठे के संचालकों सहित सप्लायरों से कार्यक्रम के लिए वह विभाग वसूली कर रहे हैं जिनके विभाग में ऐसे लोग अपना काम कर रहे हैं। क्या वसूली के पैसे से झुमका जल महोत्सव संपन्न होगा यह बड़ा सवाल है क्योंकि यदि शासकीय रूप से आयोजन है और व्यय शासन के खजाने से होने जा रहा है तो वसूली साथ साथ क्यों हो रही है यह बड़ा सवाल है।कुल मिलाकर सूत्रों की माने तो कार्यक्रम में शासकीय राशि भी व्यय होगी और वसूली की राशि भी।

अलग अलग विभाग अलग अलग लोगों से कर रहे वसूली:सूत्र

झुमका जल महोत्सव कहने के लिए पूर्णतः शासकीय कार्यक्रम है जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री पर्यटन मंत्री सहित अन्य मंत्री भी शामिल हो रहे हैं साथ ही स्थानीय विधायक भी उपस्थित होंगे। महोत्सव में पूरा व्यय शासकीय रूप से किया जायेगा यह भी तय है फिर भी अलग अलग शासकीय विभाग अलग अलग तरह से अलग अलग लोगों से वसूली कर रहे हैं ऐसा सूत्रों का कहना है। निर्माण वाले विभाग निर्माण करने वाले ठेकेदारों से वसूली कर रहे हैं वहीं खनिज विभाग क्रेशर संचालकों से ईट भट्ठे वालो से वसूली कर रहा है,अन्य विभाग सप्लायरों से वसूली कर रहे हैं। कुल मिलाकर काम बांट दिया गया है और वसूली जारी है जो सूत्रों के अनुसार बिलकुल ही सत्य बात है। अब वसूली की जरूरत क्यों पड़ गई जबकि पैसा शासकीय खर्च किया जाना है यह जिला प्रशासन जाने लेकिन वसूली की खबर लगातार सामने आ रही है।

एसईसीएल ने भी दिया है आयोजन के लिए पैसा, फिर आखिर क्यों हो रही वसूली ?

झुमका जल महोत्सव के लिए एस ई सी एल ने भी पैसा दिया है ऐसा भी बताया जा रहा है,जब शासकीय पैसा एस ई सी एल का पैसा कार्यक्रम में लग ही रहा है तो फिर क्यों वसूली हो रही है यह बड़ा सवाल है। पैसा कितना लगना है किन किन कामों में लगना है आयोजनों में लगाना है यह जब पहले से तय है तो बजट अनुसार शासकीय राशि की ही सम्पूर्ण व्यवस्था एक साथ क्यों नहीं की गई वसूली की नौबत क्यों आई यह भी सवाल उठ रहा है।

जिले में शासकीय आयोजन के लिए एक ही टेंट एक ही साउंड सिस्टम निश्चित,क्या कोरिया में एक ही टेंट संचालक है हर दल का चहेता,प्रशासन का चहेता ?

जिले में सभी शासकीय आयोजन में लगभग एक ही टेंट संचालक को टेंट लगाने का जिम्मा मिलता है। यह संचालक वैसे तो कांग्रेस पार्टी का खास सदस्य है फिर भी सरकार किसी की हो टेंट शासकीय अयोजन में इसी टेंट संचालक का लगता है। क्या सभी का चहेता एक ही टेंट संचालक है यह भी बड़ा सवाल है जबकि टेंट संचालक दलगत भावना काफी रखता है?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,31 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया झुमका जल महोत्सव जो कांग्रेस शासनकाल में आरंभ किया गया कार्यक्रम था, वहीं जो कांग्रेस विधायकों सहित मुख्यमंत्री का एक अपनी सोच अनुसार आयोजित किया गया आयोजन था का पुनः आयोजन जिले में हो रहा है, कांग्रेस ने कोरिया जिले में झुमका बांध क्षेत्र को विकसित करते हुए पर्यटन के रूप में इसे लोकप्रिय करने के उद्देश्य से गत वर्ष पहला आयोजन वर्तमान जिलाधीश कोरिया के नेतृत्व में किया था वहीं तत्कालीन सहित वर्तमान जिलाधीश ने नई भाजपा सरकार गठन होने उपरांत भी यह अयोजन दूसरे वर्ष आयोजित कर दिया है जिसके लिए उन्होंने नए निर्वाचित भाजपा के जनप्रतिनिधियों से भी सहमति प्राप्त कर ली है। अयोजन की तैयारियों में जिला प्रशासन जुटा हुआ है साथ ही कार्यक्रम के लिए वसूली का दौर भी अब अंतिम दौर में है। कार्यक्रम के लिए प्रत्येक शासकीय विभाग को वसूली की जिम्मेदारी दी गई है वहीं वसूली के लिए शासकीय विभाग में कार्य करने वाले ठेकदार, सप्लायर, क्रेशर संचालक, ईट भट्ठों के संचालक लक्ष्य तय किए गए हैं। सभी विभाग लक्ष्य अनुसार संबंधित लोगों से वसूली में लगे हुए हैं ऐसा सूत्रों का कहना है। कार्यक्रम में शासकीय बजट भी व्यय किया जाएगा लेकिन वसूली भी की जा रही है जैसा सूत्रों का कहना है और वसूली क्यों किया जा रहा है समझा जा सकता है। ज्ञात हो की झुमका बांध क्षेत्र पर्यटन के रूप में पुरवर्ती कांग्रेस सरकार ने विकसित करना आरंभ किया था वहीं आरंभ में लगा था की यह क्षेत्र निश्चित रूप से पर्यटकों को आकर्षित करेगा और बाहरी पर्यटक भी क्षेत्र में पहुचेंगे जिसके कारण ही झुमका जल महोत्सव जैसे आयोजन किए गए थे पूर्व सरकार के कार्यकाल में लेकिन ऐसा होता कार्यक्रम के बाद भी नहीं दिखा वहीं झुमका क्षेत्र अपनी बदहाली वर्ष भर खुद ही बताती रही जहां न साफ सफाई की व्यवस्था दिखी न ही वह बोर्ड ही बचा जिसमे झुमका की सुंदरता नजर आती थी। खैर आयोजन अब नई सरकार के नए जनप्रतिनिधियों के बीच उनकी सहमति से संपन्न होने जा रहा है और इस आयोजन के बाद झुमका का कितना विकास और पर्यटकों का कितना रुझान झुमका क्षेत्र में देखने को मिलता है यह देखने वाली बात होगी। वैसे वसूली के पैसे भी इस महोत्सव में खर्च होंगे वहीं वसूली के अलावा शासकीय बजट भी व्यय किया जायेगा उसके बाद झुमका जिले को कितना आय दे पाएगा वह वक्त ही बताएगा।

शिकारा भी उपलब्ध होगा अब झुमका पर्यटन क्षेत्र में

वैसे पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जब यह महोत्सव पहली बार मनाया गया था तब कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन जिलाध्यक्ष कोरिया के कहने पर तत्कालीन वहीं वर्तमान कलेक्टर ने कश्मीर के डल झील की तर्ज पर झुमका बांध में शिकारा का प्रबंध करने कहा था वह भी अब कलेक्टर कोरिया ने मंगा लिया है जिसका भी उन्हे अब शुभारंभ करना है। कुल मिलाकर इस बार का आयोजन कोरिया कलेक्टर इसलिए भी आयोजित करा रहे हैं जिससे वह कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन जिलाध्यक्ष के कहे अनुसार शिकारा भी उपलब्ध करा रहे हैं जिसे उनकी उपलब्धि याद स्वरूप लोग याद रखें। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में झुमका को पर्यटन के रूप में विकसित किए जाने का काम शुरू किया गया था। वोटिंग सहित झुमका क्षेत्र की सुंदरता साथ ही वहां रेस्टोरेंट इत्यादि की सुविधा के लिए उस समय ही प्रबंध किया जाना शुरू किया गया था जिसमें वोटिंग और रेस्टोरेंट इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है झुमका क्षेत्र में। अब झुमका क्षेत्र में शिकारा की सुविधा भी मिल सकेगी और यह मांग पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में तत्कालीन जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी कोरिया ने कलेक्टर कोरिया से की थी जिसे कलेक्टर ने अब पूरा करने का प्रयास किया है। शिकारा आ चुका है उसकी खरीदी हो चुकी है और जो अब झुमका में देखा जायेगा वहीं बताया जा रहा है की इसकी खरीदी में भी गड़बड़ी हुई है।

बिना निविदा मनमाने दर पर दिया जाता है काम

इतने बड़े आयोजन में जाहिर सी बात है कि बहुत सारी व्यवस्था करनी पड़ती है,बड़े क्षेत्रफल में टेंट से लेकर अन्य साज सज्जा ,साउंड सिस्टम से लेकर अन्य प्रकार की भारी भरकम तैयारी की जाती है,कुछ आगंतुकों को नाश्ता खाना तक प्रशासन उपलब्ध कराता है लेकिन सबसे हैरानी की बात है कि यह सभी काम अधिकारियों के सेटिंग से अपने चहेते चुनिंदा व्यापारी तक ही सीमित है। बड़े कार्यक्रम के लिए सबसे पहले टेंडर बुलाया जाना चाहिए जिससे कि पैसे की बचत हो लेकिन प्रशासन अपने मनमाफिक काम करने में मस्त है,कलेक्टर कोरिया एवं एसडीएम बैकुंठपुर के नेतृत्व में लगभग व्यवस्था की जा रही है। सवाल यह है कि आखिर प्रशासन बड़े कार्यों के लिए निविदा क्यों नही बुलाता।क्या इसमें भी अधिकारी कोई बड़ा खेल करते हैं या फिर चुनिंदा चहेते व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए उनके द्वारा जिले के अपनी मर्जी चलाई जा रही है। जिले में समय समय पर बड़े शासकीय आयोजन देखने को मिलते हैं लेकिन उन सभी में चहेते टेंट,साउंड एवं अन्य व्यवस्था के लिए वही पुराने व्यापारी दिखलाई देते हैं जिससे कि अन्य व्यापारी अपने आप को ठगा सा महसूस करते हैं। निविदा बुलाने से अन्य व्यापारियों को भी यह एहसाह होता की कार्यक्रम में पारदर्शिता है वहीं आम लोग भी मानते की कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है लेकिन जिस तरह सबकुछ हो रहा है वह बड़ी गड़बड़ी की तरफ इशारा है।

नही जानते युवा आने वाले कलाकारों को

कोरिया जिले में 1 और 2 फरवरी को झुमका जल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसको लेकर प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है, महोत्सव के पहले दिन इंडियन आइडियल फेम नचिकेत लेले, सनमुख प्रिया और निहाल तावरे अपनी प्रस्तुति देंगे और 2 फरवरी को मीत ब्रदर्स कार्यक्रम पेश करेंगे, परंतु कलाकारों के चयन को लेकर लोगो का अपना मत है, आज का युवा कार्यक्रम देने आ रहे कलाकारों के बारे में क्या सोचता है घटती घटना ने कुछ युवाओं से आ रहे कलाकारों के बारे में राय ली, झुमका में घूमने आई निशा ने बताया कि वो मीत ब्रदर्स को नही जानती, इसी तरह आरती सिंह का कहना है कि वो इन कलाकारों को नही जानती। झुमका के पास रहने वाले आशीष राजवाडे का कहना है कि वो कुछ कलाकारों को जानते है पर यहां स्थानीय कलाकारों को बुलाना था बीते वर्ष छत्तीसगढ़ के अनुज शर्मा ने काफी सुर्खियां बटोरी थी, इसी तरह जिला प्रशासन के द्वारा लाये जा रहे कलाकारों को लेकर सवाल खड़े किए है। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि कार्यक्रम जिला प्रशासन खुद के मनोरंजन के लिए करवा रहा है।

झुमका जल महोत्सव को लेकर सफाई का आया होश ?

झुमका जल महोत्सव के दो दिन पूर्व जिला प्रशासन को सफाई का होश आया है, गंदगी से पता झुमका को नगर पालिका के कर्मचारियों से ऊपर ऊपर सफाई करवाई जा रही है, परंतु इनके वेतन की सुध नही ली गई है बताया जा रहा है कि नगरीय निकाय के दैनिक वेतन भोगी और नियमित दोनो कर्मचारियों का वेतन बीते 3 माह से रुका हुआ है, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खुद के क्षेत्र चिरमिरी नगर निगम के कर्मचारियों का वेतन आहरण करवा दिया पर अन्य निकायों के कर्मचारियों की सुध लेने वाला कोई नही है।

कोरिया जिले के स्वास्थ्य महकमे का अजीब कारनामा,मामला लाखों की हेराफेरी का

मेडिकल स्टोर का संचालक जेल में और उसके दुकान से स्वास्थ्य विभाग ने कर ली लाखों की खरीदी

जेल में रहते हुए भी मेडिकल स्टोर संचालक ने स्वास्थ्य विभाग में दवाइयों की की सप्लाई,कैसे ?

जेल में निरुद्ध मेडिकल स्टोर संचालक के रिश्तेदारों के भी मेडिकल स्टोर के लगे हैं फर्जी बिल... हुआ लाखों आहरण

दवाइयों की खरीदी केवल कागज में,लाखों का फर्जीवाड़ा कर डीपीएम सहित सीएमएचओ कोरिया मौज में

घड़ी चौक स्थित एक मेडिकल स्टोर का भी नाम आ रहा स्वास्थ्य विभाग के फर्जीवाड़े में शामिल,अधिकारियों की दवाइयों की होती है वहां से प्रदायगी

स्वास्थ्य विभाग में मचा है बंदरबांट,लूट सको तो लूट की तर्ज पर चल रहा स्वास्थ्य विभाग

आदर्श शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था का भरोसा क्या स्वास्थ्य मंत्री ऐसे ही अधिकारियों के भरोसे दे रहे हैं जनता को...

घटती-घटना | अम्बिकापुर,शुक्रवार 26 जनवरी 2024 | पेज-6

आपके पड़ोसी जिले के स्वास्थ्य महकमें में जारी है आपसी रंजिश स्वास्थ्य मंत्री जी

जिला चिकित्सालय कोरिया में पदस्थ डॉक्टर सीएमएचओ और डीपीएम के खिलाफ हुए लामबंद,मंत्री को भेजा हस्ताक्षरयुक्त पत्र

संविदा डीपीएम की कार्यशैली भी चर्चा का विषय,पूरा स्वास्थ्य विभाग है परेशान

खुद को स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बतलाकर महकमे को दबाने की कोशिश

स्वास्थ्य मंत्री को भेजा गया हस्ताक्षरयुक्त पत्र

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,31 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले से स्वास्थ्य विभाग का एक नया कारनामा सामने आया है जो ऐसा कारनामा है की जिसको सुनने के बाद जिसकी जानकारी लगने के बाद किस तरह जिले के लोगों के स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आने वाले बजट की राशि की बंदरबांट की जाती है समझा जा सकता है। जिले में कार्यरत प्रभारी डीपीएम साथ ही सीएमएचओ ने मिलकर यह कारनामा किया है जिसके अंतर्गत उन्होंने फर्जी खरीदी की है और बिल लगाकर लाखों रुपए दवाइयों के नाम पर आहरित कर आपस में बांट लिया है।

सूत्रों की माने तो बैकुंठपुर मुख्यालय में स्थित एक मेडिकल स्टोर का संचालक इस समय किसी मामले को लेकर जेल में पर वही उनके जेल में रहने के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कारनामा करते हुए डीपीएम के सह पर लाखों रुपए की दवाई खरीदी कर ली, जिसका बिल उनके दस्तावेज में लगा हुआ है, सबूत दैनिक घटती-घटना के पास मौजूद है,दवाई खरीदी के साथ ही जिस मेडिकल स्टोर से खरीदी की गई है उस मेडिकल स्टोर के संचालक जो इस समय जेल में है व उसके रिश्तेदार के मेडिकल स्टोर से भी खरीदी स्वास्थ्य विभाग को कराई गई है अब सवाल यह उठता है कि जो संचालक जेल में है उसके मेडिकल स्टोर से खरीदी कैसे की जा सकती है? क्या यह फर्जीवाड़ा नहीं है या फिर यह जांच का विषय नहीं है? यदि जांच अधिकारी इस समय बैकुंठपुर स्वास्थ्य विभाग को जांच के दायरे में ले तो यहां पर भी करोड़ों का घोटाला सामने आ सकता है पर क्या जांच एजेंसियां इतने बड़े घोटाले की जांच कर पाएगी? जबकि शिकायतों की अंबार है, वहीं जिला प्रशासन की बात की जाए तो जिला प्रशासन के मुखिया ही डीपीएम के सामने नतमस्तक है जिस वजह से वह जांच करने में असमर्थ है, इस समय वह उनसे व्यवहार निभा रहे हैं और व्यवहार भी इतना बड़ा हो चला है की पारिवारिक संबंध एकदम मधुर हो चले हैं। जेल में रहने वाले संचालक सहित उसके रिश्तेदारों के बिल जो लगे हुए हैं सारे बिलों को जोड़ा जाए तो तकरीबन 25 लख रुपए की दवाई खरीदी की गई है दवाई खरीदी नहीं हुई सिर्फ बिल लगाकर पैसा निकाला गया। एक दवाई दुकान संचालक जो जेल में है वहीं जिसकी अनुपस्थिति में दवाई दुकान का संचालन ही नहीं होना था ऐसी दवाई दुकान से संचालक की अनुपस्थिति में खरीदी की गई जो प्रथम दृष्टया ही बड़ा फर्जीवाड़ा है। वैसे यह खरीदी पुरवर्ती सरकार के कार्यकाल में हुई है और अब जाकर उक्त मेडिकल स्टोर को सीलबंद कर दिया गया है लेकिन सवाल यह उठता है की क्या संचालक की अनुपस्थिति में उसके जेल में होने की स्थिति में उसकी दवाई दुकान से स्वास्थ्य विभाग द्वारा दवाइयों का खरीदी किया जाना जायज है क्या यह सही है? वैसे स्वास्थ्य विभाग कोरिया के डीपीएम जो जिले के आला अधिकारी के खास हैं उनके साथ जिले के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी भी हैं वह जो भी करें जायज है फिर भी पूरा मामला बड़ा फर्जीवाड़ा है जो समझ में भी आता है।

मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में बड़ा सेंध

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में 25 लाख की जो खरीदी हुई है दवाइयों की वह जिला मुख्यालय के एक ऐसे मेडिकल स्टोर से हुई है जिसका संचालक लंबे समय से जेल में निरुद्ध है। जेल में निरुद्ध रहकर उसने कैसे स्वास्थ्य विभाग को दवाइयां उपलब्ध कराई यह बड़ा सवाल है वहीं पूरी खरीदी कई मेडिकल स्टोर से की गई है जिसमे जेल में निरुद्ध मेडिकल स्टोर के ही संचालक के रिश्तेदारों के भी मेडिकल स्टोर शामिल हैं जो बिल देखकर समझा जा सकता है। पूरे मामले में सीएमएचओ सहित डीपीएम की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है क्योंकि खरीदी उन्हे ही करनी थी वहीं उनके ही अनुसार बिल का भुगतान होना था।

25 लाख की हुई खरीदी, जेल से मेडिकल स्टोर संचालक ने बेची दवाइयां

पूरी खरीदी 25 लाख की है जो अलग अलग मेडिकल स्टोरों से खरीदी हुई है। यह सभी मेडिकल स्टोर संचालक आपस में रिश्तेदार हैं जैसा सूत्रों का कहना है। दवाइयां खरीदी गई और बकायदा भुगतान हुआ जबकि एक मेडिकल स्टोर संचालक जेल में निरुद्ध था है उस समय भी अब भी। कैसे उसने जेल में निरुद्ध रहते हुए दवाइयां बेची यह भी बड़ा सवाल है। वैसे दवाइयां न खरीदी गई न मरीजों को मिली केवल बिल का भुगतान हुआ जैसा सूत्रों का ही कहना है। यह बड़ा फर्जीवाड़ा जो 25 लाख का है यह सुनियोजित था और इसके तहत केवल बिल प्रस्तुत कर आहरण किया गया राशि का जो बताया जा रहा है।

मरीजों के नाम पर फर्जीवाड़ा

25 लाख की दवाइयों की खरीदी मरीजों नाम पर फर्जी तरीके से की गई,खरीदी हुई नहीं केवल बिल लगाकर राशि निकाली गई ऐसा सूत्रों का कहना है,कुल मिलाकर मरीजों ने नाम पर अपनी जेब भरने का काम स्वास्थ्य विभाग कोरिया के जिम्मेदार अधिकारियों ने किया। जिम्मेदार अधिकारियों को जहां जांच का भी डर नहीं था और न किसी उच्च अन्य अधिकारी का वहीं उन्हे ईश्वर का भी भय नहीं था की वह तो सब देख रहा है और वह भी कहीं न कहीं यह देखकर चिंतित होगा की मरीजों के इलाज के नाम पर कैसे अपने पेट को भरने का इंतजाम कर रहे हैं मरीजों की चिंता का जिम्मा सम्हालने वाले अधिकारी।

बिल देखकर समझा जा सकता है की एक ही तरह से बने हैं सभी बिल,बिल बनाकर लगाना एक ही व्यक्ति का काम

दवाइयों की खरीदी मामले में जो बिल कई मेडिकल दुकानों के लगाए गए हैं जिनमे वह मेडिकल स्टोर भी शामिल है जिसका संचालक जेल में है को देखकर समझा जा सकता है की सभी बिल एक ही तरह के हैं और उसे देखकर लगता है की वह एक ही व्यक्ति द्वारा बनाकर लगाया गया बिल है। कुल मिलाकर फर्जी तरीके से मरीजों की दवाइयों के नाम पर बिल लगाकर राशि आहरित की गई वहीं राशि की बंदरबांट हुई,पूरे मामले में समझा यह भी जा सकता है की मरीजों के नाम पर उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर किस तरह गबन का खेल जारी है।

घड़ी चौक स्थित एक प्रतिष्ठित मेडिकल स्टोर से भी होती है स्वास्थ्य विभाग की खरीदी,बिल में अधिकारियों के घर की दवाइयों का भी होता है भुगतान-सूत्र

सूत्रों की माने तो स्वास्थ्य विभाग का फर्जीवाड़ा खासकर दवाई खरीदी मामले का फर्जीवाड़ा कई मेडिकल स्टोर के सहारे होता रहता है ,सूत्र बताते हैं इनमे से एक मेडिकल स्टोर घड़ी चौक का भी शामिल है,घड़ी चौक के मेडिकल स्टोर का बिल भी फर्जी तरीके से भुगतान होता है जिसमे उन दवाइयों के मूल्य का भुगतान भी होता है जो अधिकारियों का घर जाती हैं बताया जाता है की अधिकारियों के यहां वहीं से दवाइयां जाति है और इसीलिए उक्त मेडिकल स्टोर की हर बिल का भुगतान बिना किसी रोक टोक होता है।घड़ी चौक के मेडिकल स्टोर का बिल जिस भी राशि का प्रस्तुत हो सभी का भुगतान होना तय रहता है।

किसानों ने प्रतापपुर- अम्बिकापुर मुख्य मार्ग पर किया सांकेतिक चक्काजाम

राशि आहरण के लिए किसान बैंक का काट रहे है चक्कर

-संवाददाता-
प्रतापपुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिले के किसानों को धान बेचने के बाद उसका राशि आहरण करने कड़कड़ाती ठंड में सुबह से ही सहकारी बैंक के बाहर कतारबद्ध होना पड़ रहा हैं। इसके बाद भी दो से तीन दिनों तक इंतजार के बाद ही बैंक में प्रवेश मिल रहा है तब कहीं उनको राशि मिल पा रही है। ऐसे में प्रतापपुर में सहकारी बैंक की और शाखा नहीं होने के कारण किसानों की परेशानी कम नहीं हो पा रही है। जिससे आक्रोशित किसानों ने प्रतापपुर-अम्बिकापुर मुख्य मार्ग पर सांकेतिक चक्काजाम कर धरना प्रदर्शन किया। एसडीओपी एवं प्रतापपुर पुलिस थाना प्रभारी काफी समझाईस के बाद किसानों ने धरना प्रदर्शन बंद किया।

गौरतलब हो कि पहले किसान धान बेचने के लिए मशक्त कर रहे थे, लेकिन अब राशि आहरण के लिए बैंक का चक्कर काट रहे है। साथ ही अपने ही राशि को निकालने किसानों को सुबह से शाम तक कभी कभी तो 2 से 3 दिनों तक बैंक के बाहर बैठकर अपनी पारी का इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में खाताधारकों के साथ उनके परिजनों को भी परेशान होना पड़ता है। राज्य शासन द्वारा धान खरीदी के बाद इसमें मिलने वाले रकम को सहकारी बैंक के माध्यम से हितग्राहियों को वितरित की जाती है। इसके अलावा धान का बोनस, पीएम किसान सम्मान निधि संबंधित राशि सहकारी बैंक में ही आता है। इसलिए किसानों की भीड़ बैंक में हमेशा लगा रहता है। इस बार धान बेचने के बाद पैसे लेने के लिए बैंक में किसानों की भीड़ लग रही है।

किसानों ने कहा कि सहकारी बैंक मैनेजर की मिली भगत से कोच्चियों का पैसा तत्काल दिया जा रहा है मगर गांव गरीब किसान को रोजाना बैंक का चक्कर काटना पड़ रहा है तथा कोच्चिया किसानों पैसा निकालने के लिए बैंक मैनेजर से साठगांठ कर किसान के खाता में गए हुए पैसा को आहरित कर रहे हैं। बैंक में पैसा होने के बाद भी मैनेजर के द्वारा घुमाया जाता है और जो गरीब किसान गांव से आए हुए हैं उनका रोजाना बैंक का चक्कर काटना पड़ता है। उनके वजह से किसानों को कई लोगों को पैसा का लेनदेन करना होता है और उनको भी अपने जरूरत की समान खरीदनी होती है और वह बैंक का चक्कर काटते हुए थक हार गए हैं

जिले में लाल ईंट का अवैध कारोबार जोरों पर,बिना लाइसेंस बेधड़क चल रहे भट्टे

-राजा शर्मा-
कोरबा,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के कई इलाकों में लाल ईंट का अवैधानिक निर्माण व कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इनकी जांच पड़ताल और धरपकड़ की कार्यवाही अपेक्षाकृत नगण्य होने से संचालन कर्ताओं के हौसले बुलंद हैं। कार्यवाही के नाम पर मात्र खनापूर्ति ही होती रही है । जिससे इन अवैध संचालित ईंट भट्ठो के संचालन करता मिट्टी,पानी का अवैधानिक विदोहन कर अवैध ईंट भट्ठे बेधड़क संचालित कर रहे हैं । इतने बड़े-बड़े ईंट भट्ठों के संचालित होने के बावजूद क्षेत्र के अधिकारियों की नजर नहीं पड़ना भी सन्देहास्पद है। करतला ब्लॉक के बरपाली तहसील के अंतर्गत कई अवैध लाल ईंट भट्ठा बिना लाइसेंस के संचालित हो रहे हैं जिस पर प्रशासन द्वारा संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। ज्ञात हो कि करतला ब्लॉक के बरपाली तहसील अंतर्गत कई लाल ईंट के अवैध भट्ठे संचालित हैं। ऐसा ही एक लाल ईंट का अवैध भट्ठा कोथारी नाका से बिरतराई मार्ग में संचालित है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार यह ईंट भट्ठा मड़वारानी निवासी इतवारी प्रजापति द्वारा बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा है। इस भट्ठे में ईंट को पकाने के लिए चोरी का कोयला उपयोग किया जाता है। सूत्रों का कहना है के भट्ठा संचालन के लिए राजस्व विभाग, पर्यावरण विभाग, पंचायत विभाग किसी से भी एनओसी नहीं लिया गया है और न ही किसी प्रकार की अनुमति ली गई है। ईंट निर्माण के लिए क्षेत्र से मिट्टी का अवैध उत्खनन लगातार किया जा रहा है।वहीं क्षेत्र के लोगों द्वारा बताया गया कि यह लाल ईंट का भट्ठा काफी लंबे समय से संचालित है जिस पर प्रशासन द्वारा अब तक न तो कोई संज्ञान लिया गया है और न ही कोई कार्यवाही की गई है। इससे अवैध ईंट भट्ठा संचालकों के हौसले बुलंद हैं, और कार्यवाही नहीं किए जाने से संबंधित विभागीय अधिकारियों के कार्य शैलियों पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगा है ।

धान खरीदी की तिथि मे वृद्धि से किसानों मे खुशी की लहर

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक द्वय व भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने सीएम का जताया आभार

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में अब धान खरीदी 04 फरवरी तक करने की घोषणा से किसानों में उत्साह है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कल किसानों के हित मे बड़ा कदम उठाते हुए ऐतिहासिक निर्णय लिया है । अब प्रदेश मे धान खरीदी की तारीख बढाकर 04फरवरी कर दी गई है।महिला बाल विकास मंत्री व भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाडे,प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह, प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने सरकार के फैसले पर प्रशन्नता जाहिर करते हुए निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार पर से किसानों का भरोसा उठ गया था यही कारण था कि धान खरीदी प्रारंभ होने के बावजूद किसान अपना धान नही बेच रहे थे।अब प्रदेश मे जब भाजपा सरकार बन गई है तो लोग अपना धान खरीदी केन्द्रों पर लेकर जा रहे हैं। सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए धान खरीदी की तिथि में वृद्धि कर किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा किसानों के हित में निर्णय लेती है। मोदी की गारंटी मे हमने जो भी वायदा किया था उसको पूरा करने की शुरुआत हो गई है किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी प्रारंभ हो गई है तो दूसरी ओर दो वर्ष पिछला बकाया बोनस राशि का भुगतान कर दिया गया।

कलेक्टर ने स्कूली बच्चों से मिलकर तनाव मुक्त परीक्षा की तैयारी करने की बात करते हुए बढ़ाया हौसला

-संवाददाता-
कोरबा,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने करतला विकासखंड अंतर्गत आत्मानन्द स्कूल करतला और रामपुर के स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा दसवीं और बारहवीं की कक्षा में जाकर विद्यार्थियों से वन टू वन चर्चा की । उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा में सफल होने और लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगन, परिश्रम और कुछ बड़ा बनने के लिए अच्छा सोचने,बड़ा सोचने की बात कही। कलेक्टर ने कहा कि जीवन में आपको क्या बनना है, आपका लक्ष्य क्या है..? यह सोचकर नहीं रखेंगे तो मुकाम पर पहुचने के लिए कई चुनौतियां आएंगी। आप विद्यार्थी है और पढ़ाई कर रहे हैं, सोचने पर किसी का एकाधिकार नहीं है, दूर तक की सोच, बड़ी सोच आपको मंजिल दिलाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और परीक्षा को लेकर किसी तरह का तनाव व दबाव न रखने की बात कहते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने 10 के पश्चात 11वीं कक्षा से विषय चयन के साथ कैरियर निर्माण की जानकारी भी दी। कक्षा 12वीं में उन्होंने आर्ट्स विषय के विद्यार्थियों को बताया कि कोई भी विषय बड़ा या छोटा नहीं होता। आर्ट्स वाले हैं, इसमें ज्यादा करियर की संभावनाएं नहीं हैं, यह सोच दिमाग से हटाकर पूरी तन्मयता के साथ परीक्षा की तैयारी करनी है। उन्होंने आर्ट्स सब्जेक्ट में जॉब की बहुत संभावनाएं होने की बात कही। रामपुर में सेजेस के निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर ने कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने चन्द्रयान प्रक्षेपण पर विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए बताया कि देश के वैज्ञानिकों ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। महिला वैज्ञानिकों का योगदान भी महत्वपूर्ण था। आप विद्यार्थी भी अपनी उत्सुकता और मेहनत से इस क्षेत्र में जा सकते हैं। कलेक्टर से स्कूली विद्यार्थियों से यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने के बावजूद आप अपनी तैयारी और कठिन मेहनत से शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों की तरह आगे बढ़कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सेजेस स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने और पहुँचमार्ग,लाइब्रेरी, लैब शौचालय आदि समस्याओं को दूर करने की बात कही। कलेक्टर ने विद्यालय के प्राचार्य से गत परीक्षा परिणामों की जानकारी लेते हुए इस वर्ष परिणाम के प्रतिशत में वृद्धि करने की दिशा में विद्यार्थियों को बिना दबाव के लगातार प्रेरित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, एसडीएम श्रीकांत वर्मा और बीइओ संदीप पांडेय उपस्थित थे।

पूर्ण रूपेण इंडोर स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के रूप में तब्दील होगा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्पोर्ट काम्प्लेक्स

नगर पालिका परिषद जिम का शीघ्र होगा शुभारंभ,कलेक्टर ने खेल से संबंधित मैदान,स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स और जिम का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्पोर्ट काम्प्लेक्स पूर्ण रूप से बनेगा इंडोर स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स। जहां बैडमिंटन के अलावा टेबल टेनिस, शतरंज और अन्य इंडोर स्पोर्ट्स को धीरे-धीरे स्थान दिया जाएगा। शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पास स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्पोर्ट काम्प्लेक्स और उसके समीप स्थित स्टेडियम ग्राउंड के निरीक्षण के लिए आज कलेक्टर रोहित व्यास पहुंचे थे। जहां उन्होंने इंडोर बैडमिंटन कोर्ट और उसी के अंतर्गत संचालित जिम का निरीक्षण किया। उन्होंने जिम में उपयोग में लाई जाने वाले उपकरण की वस्तु स्थिति

का जायजा लिया और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन करने वाले नगर पालिका परिषद के संबंधित अधिकारियों से कॉम्प्लेक्स में रजिस्टर्ड व्यक्तियों की संख्या व संचालन के संबंध में जानकारी ली। इसके पश्चात कलेक्टर क्रमशः नगर पालिका परिषद जिम, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्टेडियम ग्राउंड पर स्थित वॉलीबॉल कोर्ट और फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर (खेलो इंडिया सेंटर) हर्राटिकरा जो कि स्पोर्ट्स एंड यूथ वेलफेयर द्वारा संचालित है का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पालिका परिषद के जिम में रखें उपकरणों को चालू दशा में लाकर शीघ्र शुभारंभ के साथ संचालन करने के निर्देश नगर पालिका परिषद के संबंधित अधिकारियों दिये। स्टेडियम ग्राउंड पर स्थित वॉलीबॉल कोर्ट में आवश्यकता अनुरूप कुछ सुधार के लिए उपस्थित संबंधी अधिकारी को निर्देशित किया। इसके साथ ही फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर (खेलो इंडिया सेंटर) हर्राटिकरा के निरीक्षण के दौरान उन्होंने फुटबॉल ग्राउंड के लेवलिंग और ग्राउंड में घास की सतह तैयार करने के लिए निर्देशित किया ताकि इसे एक पूर्ण फुटबॉल स्टेडियम के रूप में डेवलप किया जा सके। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा हर्राटिकरा स्थित आंगनबाड़ी और शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर खेल अधिकारी श्रीमती आरती पांडेय व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

सूचना

मैं अविनाश तिवारी पिता दिलीप तिवारी निवासी भटगांव, जिला-सूरजपुर,छ0ग0। मै 14 जनवरी 2024 को सूरजपुर की ओर जा रहा था,मेरे पास मेरा और मेरे भाई अनिकेत तिवारी के दस्तावेज थे जो कहीं रास्ते में गिर गया है।

अतः में अनुरोध करता हूं कि जिसे भी यह दस्तावेज मिले वह मुझे 97541-61173 नंबर पर संपर्क करें।

अविनाश तिवारी
निवासी भटगांव,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़
मो0नं0-9754161173

लापता मासूम रिशु का सुराग लगाने पुलिस लगातार कर रही प्रयास

-संवाददाता-
प्रतापपुर,31 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

10 वर्ष का मासूम बच्चा रिशु कश्यप 29 जनवरी सोमवार की शाम से ही अपने घर से लापता है पर अब तक उसका सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस बच्चे की तलाश करने मुस्तैदी से जुटी है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को प्रतापपुर के पक्की तालाब के पास रहने वाले मामा होटल के संचालक अशोक कश्यप की पुत्री का जन्मदिन था। पुत्री होटल गे ई हुई थी। इसी बीच उनका 10 वर्षीय पुत्र रिशु कश्यप सोमवार को स्कूल से पढ़कर घर आया और कपड़े बदलकर अपनी मां से कहा कि आज बहन का जन्मदिन है उसे बधाई देने होटल जा रहा हूं। इसके बाद से ही वह लापता बताया जा रहा है। लापता बच्चे के पिता ने बताया कि जब काफी देर तक रिशु घर वापस नहीं आया तो उसके दोस्तों से पूछताछ करने के साथ ही के ई जगहों पर उसकी तलाश किए। पर उसका कहीं पर भी पता नहीं चला। आखिर थक हार कर थाने में सूचना दिए जिसके बाद प्रतापपुर पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ बच्चे की तलाश में लगी हुई है।

डीडीआर एफ की टीम ने भी तालाब में तलाश कि जारही है

बच्चा घर के सामने स्थित तालाब की ओर अक्सर आता जाता रहता था। इसी को देखते हुए बच्चे की तलाश करने सुरजपुर से डीडीआरे एफ व डाग स्क्वायड की टीम भी बुलाई गई थी। पहले डाग स्क्वायड की टीम ने बच्चे के घर से उसकी खोजबीन शुरू की तो टीम के श्वान ने सूंघते हुए तालाब की ओर इशारा किया। जिसके बाद डीडीआरे एफ टीम के गोताखोर बृज बिहारी गुप्ता, बेला प्रताप सिंह, टामेश्वर राजवाड़े, नेम सिंह, शिवनारायण सिंह, रिकेश गुप्ता, देव नारायण सिंह, अशोक सिंह व बिदेश सिंह ने तालाब में उतरकर कैमरे की मदद से तालाब का चप्पा-चप्पा छान मारा। यहां तक की टीम ने नाव की मदद से भी तालाब को खंगाला पर बच्चे का कोई पता नहीं चला।

अंबिकापुर में होने की मिली है सूचना

इस बीच प्रतापपुर के पत्रकार दीपक चंद मित्तल को एक व्यक्ति ने सूचना दी की बच्चे को अंबिकापुर में स्थित टाइम आउट थियेटर के पास स्थित कस्बा ठेले से कुछ सामान खरीदते हुए देखा गया है, बच्चा स्कूटी में था उसके साथ दो और बच्चे भी थे। यह जानकारी पत्रकार मित्तल ने तत्काल प्रतापपुर पुलिस से साझा की। जिसके बाद बच्चे की तलाश करने प्रतापपुर से एक पुलिस टीम अंबिकापुर रवाना हो गे ई है। जहां टीम बच्चे की जानकारी देने वाले व्यक्ति से पूछताछ कर टाइम आउट थियेटर के आसपास के क्षेत्र में लगे सीसी कैमरे खंगालते हुए बच्चे की तलाश में लगी हुई है। बता दें कि जिस दिन बच्चा लापता हुआ था उसी दिन पत्रकार मित्तल के अलावा अन्य के ई लोग भी बच्चे के विवरण सहित उसकी फोटो इंटरनेट मीडिया में भी वायरल कर चुके हैं। इधर समस्त नगरवासी बच्चे के कुशल पूर्वक घर लौट आने की प्रार्थना कर रहे हैं।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

-::नीलामी विज्ञप्ति::-

इस इकाई द्वारा जिला सूरजपुर के रक्षित केन्द्र वाहन शाखा में रखे अनुपगोगी टायर- ट्यूब एवं मोटर पार्टस, की नीलामी हेतु सील बन्द लिफफ निविदाए आमंत्रित की जाती है। विवण निम्नानुसार है:-

1. टायर विभिन्न साईज-144 नग।
2. ट्यूब विभिन्न साईज-14 नग।
3.फ्लैप्स विभिन्न साईज-14 नग।
4. कंडम स्पेयर पार्ट्स- 622 कि.ग्रा.।

-: नीलामी प्रक्रिया की शर्ते निम्नानुसार है:-

01. निविदा फार्म 50 रूपये मूल्य का चालान शीर्ष 0055 पुलिस मिशलेनियस पुलिस रिसिष्ट के अर्न्तगत पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के नाम जमा कर व्यक्तिगत रूप से रक्षित केन्द्र सूरजपुर (पर्री) में दिनांक 05/02/2024 से 13/02/2024 तक समय 10.00 बजे से 15.00 बजे तक प्राप्त कर सकते है। निविदा फार्म शुल्क वापस नही किया जायेगा।
02. निविदा फार्म के साथ 5000.00 रू. धरोहर राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में पुलिस अधिक्षक सूरजपुर को देय होगा, जो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सूरजपुर शाखा कोड क्रमांक 000576 में भुगतान हेतु जमा किया जावें।
03. निविदा स्वीकार करने की अंतिम तिथि दिनांक 16/02/2024 के 12.00 बजे तक जमा कर सकते हैं, एवं नीलमी की कार्यवाही दिनांक 16/02/2024 को रक्षित केन्द्र सूरजपुर जिला सूरजपुर में 15.00 बजे निविदाकर्ताओ के समक्ष कमेटी द्वारा खोली जावेगी।

नोट :- अन्य जानकारी, नियम एवं शर्ते तथा टायर- ट्यूब एवं कंडम पार्ट्स की निरीक्षण कार्यालयीन समय में दिनांक 05/02/2024 से 13/02/2024 तक रक्षित केन्द्र सूरजपुर जिला सूरजपुर में देखी जा सकती है।

जी नंबर-07403/3

पुलिस अधीक्षक
जिला सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग)

रा0प्र0क्रं0/../अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक असरफ खान आ0 स्व0 ख्वाजा खान निवासी नवागढ़ नगर अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला नवागढ़ नगर अम्बिकापुर, शीट नवागढ़ ग्रामीण क्षेत्र स्थित नजूल प्लाट नंबर 1/2 रकबा 160.48 वर्गमीटर भूमि जो नजूल अभिलेखों में अशरफ खान आ0 स्व0 ख्वाजा खान निवासी नवागढ़ अम्बिकापुर के नाम पर दर्ज है, को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन-पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 14/02/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024

पलक जोशी ने तैराकी में जीता स्वर्ण पदक

चेन्नई,31 जनवरी 2024 । खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024 के अंतिम दिन महाराष्ट्र की तैराक पलक जोशी ने 200 मीटर बैकस्ट्रोक के अपने राष्ट्रीय अंक में सुधार किया, जबकि तमिलनाडु के भारोत्तोलक आर.पी. कीर्तन ने समग्र राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड तोड़कर लड़कियों के 81 किग्रा वर्ग में जीत हासिल की।पलक जोशी, जिन्होंने 2022 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, इस प्रतियोगिता में उन्होंने घड़ी को 2=18.59 सेकेंड पर रोक दिया था, जो कि पिछले साल जुलाई में हैदराबाद में राष्ट्रीय एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में निर्धारित उनके वरिष्ठ राष्ट्रीय चिह्न 2:18.90 सेकेंड से कम था। भारतीय तैराकी महासंघ इसे 'सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदर्शन' के रूप में मान्यता देगा, क्योंकि एसएफआई केवल राष्ट्रीय खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड मानता है। तेलंगाना की नित्या सागी ने 2:25.83 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि कर्नाटक की नायशा ने 2:25.83 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले, तमिलनाडु के भारोत्तोलक आर.पी. कीर्तन ने लड़कियों के 81 किग्रा वर्ग में स्नैच, क्लीन एंड जर्क और ओवरऑल में राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। कीर्तन ने कुल 188 किलोग्राम वजन उठाया, जिसमें स्नैच में 85 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 103 किलोग्राम वजन उठाया और अपने राज्य के साथी ओविया के (184 किलोग्राम) से आगे रहीं, जबकि उत्तर प्रदेश की संतुष्टि

चौधरी ने कुल 162 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। स्नैच (81 किग्रा), क्लीन एंड जर्क (104 किग्रा) और ओवरऑल (185 किग्रा) में पिछला रिकॉर्ड आंध्र प्रदेश की चौधरी श्रीलक्ष्मी के पास था। .इस बीच, महाराष्ट्र ने अपने स्वर्ण पदकों की संख्या में नौ और स्वर्ण पदक जोड़कर स्वर्ण पदकों का अर्धशतक पूरा कर लिया। विश्व चैंपियन और 2022 एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अदिति गोपीचंद स्वामी ने नेहरू पार्क में तीरंदाजी स्थल पर महाराष्ट्र की अगुवाई करते हुए कंपाउंड लड़कियों और मिश्रित टीम के स्वर्ण पदक जीते, जबकि पृथ्वीराज घाडगे और शरवानी शेंडे ने रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल जीता। शेंडे ने लड़कियों की रिकर्व श्रेणी में भी रजत पदक जीता, जबकि तेजल साल्वे ने कंपाउंड लड़कियों में रजत पदक जीता और मिहिर अपार ने लड़कों की कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।मदुरै में, महाराष्ट्र की खो-खो टीम ने अपने पसंदीदा टैग के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए दोनों स्वर्ण पदक जीते। लड़कों ने दिल्ली को 40-10 से हराया,जबकि लड़कियों ने ओडिशा को 33-24 से हराया। तारिणी सूरी और श्रावणी वालेकर ने टीएनपीईएसयू बैडमिंटन हॉल में लड़कियों के युगल फाइनल में ओडिशा की प्रगति परिदा और विशाखा टोप्पो को 21-13, 20-22, 21-16 से हराकर महाराष्ट्र को 50 स्वर्ण पदक दिलाए। निशानेबाजी में, तेलंगाना के युवेक बटुला और वेंकट लक्कू ने मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीता, मध्य प्रदेश की वंशिका तिवारी और उदयमान राठौड़ ने रजत और पंजाब के जोरावर बेदी और रिशम गुरोन ने कांस्य पदक जीता।

फीफा ने सर्वकालिक अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसफर रिकॉर्ड की घोषणा की

जिनेवा,31 जनवरी 2024। फीफा ने 2023 ग्लोबल ट्रांसफर रिपोर्ट जारी की है, जो पिछले साल 74,836 क्रॉश बॉर्डर ट्रांसफर के रिकॉर्ड की पुष्टि करती है।

इनमें से लगभग 31.7 प्रतिशत पेशेवर पुरुष और महिला खिलाड़ी शामिल थे, जिन्होंने कुल मिलाकर 9.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड खर्च किया।

फीफा ने घोषणा की कि शीर्ष 10 खिलाड़ियों के ट्रांसफर ने 2023 में ट्रांसफर शुल्क पर खर्च की गई पूरी राशि का 10 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न किया और शीर्ष 100 ने ट्रांसफर शुल्क का 45 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न किया।फीफा ने महिला फुटबॉल में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। 2022 की तुलना में 2023 में 20 प्रतिशत से अधिक ट्रांसफर किए गए हैं।शौकिया तौर पर किया गया ट्रांसफर मार्केट अधिक सक्रिय था। 2023 में 50,000 से अधिक शौकिया खिलाड़ी दूसरे देश चले गए। फीफा के 211 सदस्य संघों में से 207 कम से कम एक शौकिया ट्रांसफर में शामिल थे।

संक्षिप्त खेल समाचार

न्यूकैसल ने विला को 3-1 से हराया

बर्मिंघम,31 जनवरी 2024। फैबियन शार के दो गोल की मदद से न्यूकैसल युनाइटेड ने एस्टन विला में प्रीमियर लीग में 3-1 से जीत दर्ज की।मिली इस जीत ने न्यूकैसल की प्रीमियर लीग में लगातार चार हार के सिलसिले को खत्म किया, जिससे यूनाई एमरी की टीम को सीजन की अपनी पहली घरेलू हार का सामना करना पड़ा। स्विस डिफेंडर ने एलेक्स मोरेनो के गोल से पहले फर्स्ट हाफ के पांच मिनट में दो बार गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उनकी जीत पक्की हो गई।ओली वॉटकिंस ने विला के लिए एकमात्र गोल किया, जिसने अपने पिछले पांच प्रीमियर लीग मैचों में से केवल एक जीता है। सीज़न की अपनी दूसरी जीत हासिल करने के बाद न्यूकैसल 32 अंकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि विला 43 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। 17 मैचों का अजेय होम रन समाप्त होने के बाद लिवरपूल एक मैच अधिक खेलने के कारण पांच अंक पीछे है।

सरवनन ने पाल नौकायन में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई किया

सिंगापुर,31 जनवरी 2024। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता विष्णु सरवनन लगातार दो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय सेलर (पाल नौकायन खिलाड़ी) बने जब उन्होंने बुधवार को यहां विश्व चैंपियनशिप के जरिए पेरिस खेलों में जगह बनाई। मुंबई स्थित सेना नौकायन नोड में सूबेदार 24 साल के सरवनन ने यहां आईएलसीए-सात विश्व चैंपियनशिप में 152 प्रतिभागियों के बीच 26वें स्थान पर रहते हुए पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई किया। वह पेरिस 2024 खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पाल नौकायन खिलाड़ी हैं। सरवनन एशियाई देशों के खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर रहे। उन्होंने एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सिंगापुर के खिलाड़ी को पछाड़ा। सरवनन का कुल स्कोर 174 रहा। मानक नियमों के अनुसार इसमें से 49 के उनके न्यूनतम स्कोर को हटा दिया गया जिससे उनका नेट स्कोर 125 रहा। विष्णु 2019 अंडर-21 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं।

अश्विन टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

चौथे पायदान पर बुमराह

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की ओर से जारी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जबकि हमवतन जसप्रीत बुमराह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में भारत की 28 रन की हार के दौरान अश्विन ने मैच में छह विकेट झटके थे। उनके नाम 853 रेटिंग अंक हैं। तेज गेंदबाज बुमराह ने भी इस मैच में छह विकेट चटकाये थे जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गये। गेंदबाजी तालिका में शीर्ष 10 में तीसरे भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा है, जो छठे नंबर पर हैं। टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में जडेजा शीर्ष पर हैं। हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में इंग्लैंड के जो रूट चौथे स्थान पर पहुंच गये है। वह अगर गेंद से अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में सफल रहे तो इस सूची में शीर्ष तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ियों (जडेजा, अश्विन और शाकिब अल हसन) को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले रूट ने हैदराबाद टेस्ट में पांच विकेट चटकाये थे। उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी का आगाज भी किया था। अक्षर पटेल इस सूची में छठे स्थान पर खिसक गये हैं। दिग्गज भारतीय विराट कोहली छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 बल्लेबाजों में अकेले भारतीय हैं। भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 196 रन बनाने वाले इंग्लैंड के ओली पोप 20 स्थान की सुधार के साथ 15वें पायदान पर पहुंच गये हैं। पोप के इंग्लैंड टीम के साथी बेन डकेट भी अपनी रैंकिंग में सुधार करने में सफल रहे हैं। भारत के खिलाफ 35 और 47 रन की पारी खेलने के बाद पांच पायदान के फायदे से 22वें स्थान पर पहुंच गये। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा वेस्टइंडीज के खिलाफ गाबा में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद दो स्थान के सुधार के साथ आठवें स्थान पर आ गये है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भी अपनी रैंकिंग सुधारने में सफल रहे। केमार रोच दो पायदान ऊपर 17वें, अल्जारी जोसेफ चार पायदान ऊपर 33वें और गाबा में मैन ऑफ द मैच रहे शमरा जोसेफ 42 पायदान ऊपर चढ़कर रैंकिंग में 50वें स्थान पर पहुंच गए।

स्कूल बस ड्राइवर की बेटी ने कुश्ती में जीता मेडल

चेन्नई,31 जनवरी 2024। एक बाप-बेटी की कहानी काफी दिलचस्प है। जब आठ वर्षीय तन्नु सुबह 4.30 बजे अपने पिता जगदीश गुलिया के साथ 2016 रियो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं की कुश्ती देख रहीं थी। उस समय साक्षी मलिक ने अंतिम क्षणों में मुकाबला पलटते हुए कांस्य पदक हासिल किया। यह वही क्षण था जब जगदीश और तन्नू दोनों ने जश्न मनाते हुए एक-दूसरे को गले लगा लिया, और यही से तन्नू का एक खिलाड़ी के रूप में सफर शुरू हुआ।हरियाणा में एक स्कूल बस ड्राइवर जगदीश ने फैसला किया कि उनकी बेटी तन्नु एक पहलवान बनेगी।

दूसरी ओर, तन्नु एक एथलीट के रूप में मिलने वाली यात्रा के अवसरों के बारे में सोचकर और भी अधिक उत्साहित थी। दिलचस्प बात यह है कि राजारथिनम स्टेडियम में 65 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर वह उस सपने के एक कदम और करीब पहुंच गई।

तन्नु ने कहा, मेरे पिता स्वर्ण पदक से खुश होते, लेकिन यह ठीक है। पिछले संस्करण के विपरीत जहां मैं दूसरे दौर में बाहर हो गई थी और खाली हाथ लौटी थी, इस बार मेरे पास अपने पिता को दिखाने के लिए कुछ तो है। आमतौर पर, उनके पिता ज्यादातर प्रतियोगिताओं में उसके साथ यात्रा करते हैं, लेकिन इस बार उनके स्कूल ने उनकी छुट्टी मंजूर नहीं की, इसलिए उनके साथ उनके चाचा नरेंद्र और छोटी चचेरी बहन साक्षी भी थीं, जो पदक नहीं जीत सकी।तन्नु ने अब तक यहां कांस्य पदक समेत चार पदक जीते हैं। उन्होंने 2023 में अंडर-19 स्कूल गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। 2022 में अंडर-17 कैडेट रैंकिंग सीरीज़ में कांस्य और 2019 में अंडर-14 स्कूल नेशनल गेम्स में कांस्य पदक अपने नाम किया।

तन्नु ने कहा, अगले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आप मुझे स्वर्ण पदक लेते हुए देखेंगे। मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगी और यहां से कड़ी मेहनत करूंगी। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मिले अवसर और पदक ने मुझे काफी उत्साहित किया है। मुझे पता है कि मैं बड़े पुरस्कारों की हकदार हूं और इससे अधिक बेहतर कर सकती हूं।उन्होंने कहा कि उनके पिता ने अपनी कम कमाई के बावजूद उनके लिए सब कुछ किया है। साथ ही मुझे मजबूत रखने के लिए वह मुझे सब कुछ खिलाते हैं। मेरे चाचा ने एक भैंस भी खरीदी है ताकि दूध और घी की कोई कमी न हो।

एशियाई क्रिकेट परिषद ने जय शाह को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली,31 जनवरी 2024। जय शाह को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया, जिसे बुधवार को इसकी वार्षिक आम बैठक में सर्वसम्मति से एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया। जय शाह के विस्तार का प्रस्ताव श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने दूसरी बार किया और नामांकन को एसीसी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। शाह ने जनवरी 2021 में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन से एसीसी की कमान संभाली थी, जिससे वह एसीसी अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त होने वाले सबसे कम उम्र के प्रशासक बन गए।

शाह के दूरदर्शी नेतृत्व में, एसीसी ने पूरे एशियाई क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने और विकसित करने में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। विशेष रूप से, एसीसी ने 2022 में टी20 प्रारूप में और 2023 में एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिससे प्रमुख क्रिकेट आयोजनों की मेजबानी करने की एशिया की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। जय ने पूरे एशियाई क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने और विकसित करने में एसीसी को महत्वपूर्ण प्रगति की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने कहा, शाह के मार्गदर्शन में, एसीसी ने बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे क्रिकेट के महाशक्तियों में नई प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एसीसी बोर्ड ने रणनीतिक वाणिज्यिक और प्रसारण सौदों के माध्यम से वित्तीय स्थिरता बढ़ाने में शाह के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड को भी स्वीकार किया। इन वित्तीय संसाधनों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की शाह की प्रतिबद्धता, जिससे एसीसी के भीतर सहयोगी सदस्यों का उत्थान हो सके।

सिल्वा ने एसीसी बोर्ड बैठक के दौरान प्रस्ताव को मिले सर्वसम्मत समर्थन पर संतोष व्यक्त किया। शम्मी सिल्वा ने टिप्पणी की, ÷मुझे खुशी है कि एसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया। जय के पास वाणिज्यिक और प्रसारण सौदों के माध्यम से वित्त को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर वित्त को प्रसारित करने, सहयोगी सदस्यों के उत्थान का एक सिद्ध रिकॉर्ड है।ओमान क्रिकेट के अध्यक्ष और एसीसी के उपाध्यक्ष पंकज खिमजी ने जय शाह के अच्छे कार्यकाल के लिए बधाई दी।

मैंने काफी समय तक जय शाह के साथ मिलकर काम किया है और प्रशासन के प्रति उनके जुनून और उत्साह को प्रत्यक्ष रूप से जानता हूं। वह स्पष्ट दृष्टि और रोडमैप वाले एक युवा और गतिशील नेता हैं। वह न केवल लोगों के बीच सहयोगात्मक भावना को बढ़ावा देने में कामयाब रहे हैं।÷ सदस्य बोर्डों ने एसीसी की वित्तीय और वाणिज्यिक स्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

शानदार गेंदबाजी के बाद जोसेफ हार्टले को टेस्ट रैंकिंग में हुआ फायदा

दुबई,31 जनवरी 2024। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ और इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले ने दो अलग-अलग महाद्वीपों में शानदार गेंदबाजी करने के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में बड़ा फायदा हासिल किया है। दाहिने पैर के अंगूठे की चोट को दरकिनार करते हुए दूसरी पारी में जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने ब्रिस्बेन के गाबा में ऑस्ट्रेलिया पर आठ रन की जादुई जीत हासिल की और ऑस्ट्रेलिया के साथ श्रृंखला 1-1 से बराबर की। अब वह 42 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जोसेफ के 397 रेटिंग अंक दो टेस्ट मैचों के बाद वेस्टइंडीज के किसी गेंदबाज द्वारा पांचवां सर्वश्रेष्ठ है। इस सूची में उनसे कुछ पूर्व महान खिलाड़ी आगे हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी, तेज गेंदबाज कॉलिन क्रॉफ्ट (447), बाएं हाथ के स्पिनर अल्फ वेलेंटाइन (443), तेज गेंदबाज वेस हॉल (422) और ऑफ स्पिनर सोनी रामाधीन (407) के पहले दो टेस्ट के बाद अधिक अंक थे।ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद गेंदबाजों के मामले में जोसेफ वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष पर थे, लेकिन उनके साथी तेज गेंदबाज केमार रोच (दो स्थान ऊपर 17वें स्थान पर) और अल्ज़ारी जोसेफ (चार स्थान ऊपर 33वें स्थान पर) ने भी तीन स्थान के साथ बढ़त बना ली है।

झवेस्टइंडीज के बल्लेबाज जोशुआ डी सिल्वा (12 पायदान ऊपर 60वें), किर्क मैकेंजी (नौ पायदान ऊपर 76वें) और केवम हॉज (98 पायदान ऊपर 81वें) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुछ उपयोगी पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में ऊपर चढ़ गए हैं।

फाइटर के बाद अब जूनियर एनटीआर के साथ वॉर छेड़ने के लिए ऋतिक ने कसी कमर

ऋतिक रोशन इस वक्त अपनी फिल्म फाइटर की रिलीज को एन्जॉय कर रहे हैं। उनकी इस फिल्म ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले 25 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फाइटर का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है।

फिल्म ने कुछ ही दिनों में 100 करोड़ का बिजनेस किया है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन ने स्क्वॉड्रन लीडर शमशेर पठान का किरदार अदा किया है। इस फिल्म के बाद अब ऋतिक रोशन जल्द ही यशराज के बैनर तले बनने वाली फिल्म वॉर-2 में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर अब तक कई खबरें सामने आई हैं। अब हाल ही में वॉर 2 कब फ्लोर पर आएगी, इसका खुलासा भी हो गया है। ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर-2 साल 2019 में रिलीज हुई वॉर का सीक्वल है, जिसमें कृष एक्टर के अलावा टाइगर श्रॉफ ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया था। अब 2024 में मेकर्स इसका सीक्वल लेकर आ रहे हैं।

बॉलीवुड लाइफ में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर-2 की शूटिंग फरवरी के दूसरे वीक में शुरु होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर ने इस फिल्म के फ्लोर पर जाने से पहले तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वॉर-2 का पहला शेड्यूल मुंबई में ही शूट किया जाएगा।

ऋतिक रोशन जहां इस फिल्म में मेजर कबीर धालीवाल का किरदार निभा रहे हैं, जोकि एक रॉ एजेंट हैं, तो वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक मूवी में जूनियर एनटीआर विलेन की भूमिका अदा करते हुए नजर आएंगे।

जॉर्जेट साड़ी पहनकर रोमांटिक गाने की शूटिंग करना एक स्वप्निल अनुभव : जिया शंकर

अभिनेत्री जिया शंकर,हर्ष बेनीवाल के साथ मेरी जिंदगी नामक म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि जॉर्जेट साड़ी में रोमांटिक नंबर शूट करना एक स्वप्निल अनुभव रहा।

गाने में अभिनय के बारे में बात करते हुए जिया ने कहा, बर्फ में जॉर्जेट साड़ी पहनकर एक रोमांटिक गाने की शूटिंग करना एक स्वप्निल और खूबसूरत अनुभव था। तुलसी कुमार और विशाल मिश्रा ने जिस तरह से इस गाने को गाया है, उससे मुझे इससे और भी ज्यादा प्यार हो गया है।इस रोमांटिक ट्रैक को तुलसी कुमार और विशाल मिश्रा ने गाया है। भूषण कुमार द्वारा निर्मित वीडियो को मनाली के बर्फ से ढके पहाड़ों में शूट किया गया है। तुलसी ने कहा, मेरी जिंदगी एक बहुत ही भावपूर्ण ट्रैक है, जो तुरंत श्रोताओं के दिलों को छू जाएगा।

उन्होंने कहा, यह गाना मोहसिन और मेरे द्वारा लगभग तीन साल पहले लॉक डाउन में शुरू किया गया था और इसकी एक बहुत ही मजबूत धुन है, जो इतने समय तक मेरे साथ रही और आखिरकार हमारे पास इस गाने के लिए एक खूबसूरत वीडियो है। मैं अपने सभी प्यारे प्रशंसकों के लिए इसका इंतजार नहीं कर सकती। बर्फ से ढके पहाड़ों में साड़ी में दिखाना भी एक चुनौती थी।गाने के दिल छू लेने वाले बोल रश्मी विराग ने लिखे हैं और संगीत जावेद और मोहसिन ने दिया है। स्वप्निल संगीत वीडियो आरिफ खान द्वारा निर्देशित है।

विशाल ने कहा, दर्शकों ने मेरे गानों को जो प्यार दिया है, वह बहुत जबरदस्त है। मेरी जिंदगी भी एक ऐसा गाना है, जिससे हर कोई प्यार करता है।हर्ष बेनीवाल ने कहा, मुझे याद है, जब हमने गाने की शूटिंग की थी, तो यह मूड को बेहतर बनाने वाला था। पूरी शूटिंग के दौरान, मुझे इसकी जीवंतता और गाने से बहुत प्यार महसूस हुआ।

संगीतकार, जावेद और मोहसिन ने भी कहा, रोमांस एक ऐसी शैली है, जिसका प्रयोग बहुत किया जाता है। इसलिए हर बार हम कुछ नया बनाते हैं।

मेरी ज़िंदगी के गीतकार रश्मी विराग ने भी कहा, प्यार की भाषा बहुत बदल गई है। लेकिन भावनाएं वही हैं, इसलिए युवा प्रेमियों को पुराने स्कूल के रोमांस का स्वाद देना जो आधुनिक भी लगे, यही इसके पीछे का विचार था। तुलसी और विशाल ने इसे कितनी खूबसूरती से गाया है।मेरी जिंदगी टी-सीरीज यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

सालार की सक्सेस के बाद प्रभास ने एक्टिंग से लिया ब्रेक

सुपरस्टार प्रभास का साउथ सिनेमा में अपना सिक्का चलता है। बाहुबली 2 की सक्सेस के 6 साल बाद प्रभास ने 2023 में ब्लॉकबस्टर फिल्म सालार पार्ट 1 दी। अब प्रभास की अगली फिल्म का इंतजार हो रहा है, इस बीच एक शॉकिंग खबर सामने आ रही है। लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रभास एक्टिंग की दुनिया से ब्रेक ले रहे हैं। जी हां, सालार की सक्सेस के बाद प्रभास ने इंडस्ट्री से दूर रहने का फैसला किया है। कल्कि 2898 एडी से पहले प्रभास को आखिर ऐसा क्यों करना पड़ा, जानिए वजह।

, प्रभास ने इंडस्ट्री से ब्रेक ले लिया है, लेकिन थोड़े समय के लिए। जी हां, वह शॉर्ट ब्रेक पर हैं। उन्होंने अपने माइंड को फ्रेश करने और हेल्थ की वजह से ब्रेक लिया है। सोर्स का कहना है कि प्रभास सालार को लेकर मिले प्यार से गदगद हैं। सालार से मिले पॉजिटिव रिव्यूज अभिनेता के लिए इसलिए भी खास हैं, क्योंकि यह 6 साल तक लगातार असफलता के बाद आई है। प्रभास अपने करियर में और फोकस करने के लिए जिंदगी में थोड़ी और एनर्जी भरने के लिए ब्रेक लेना चाहते हैं। ताकि वह एक नए तरीके से करियर को आगे बढ़ा सकें।

खुशी की बात यह है कि प्रभास ज्यादा समय के लिए ब्रेक नहीं ले रहे हैं। वह सिर्फ एक महीने के लिए शॉर्ट ब्रेक पर हैं। मार्च में वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू कर सकते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता सर्जरी के लिए यूरोप जा सकते हैं। कुछ समय पहले अभिनेता को चोट लग गई थी, जिससे वह पूरी तरह ठीक नहीं हुए थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हमारे जवान नक्सली चुनौती का बहादुरी के साथ किए मुकाबला : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

» मुख्यमंत्री ने साहस और जज्बें की सराहना कर बढ़ाया जवानों का मनोबल

» गृहमंत्री,वनमंत्री,विधायक और राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी करनपुर के 201 कोबरा सीआरपीएफकैंप में दी श्रद्धांजलि

» शहीद जवानों का पार्थिव शरीर गृह ग्राम के लिए रवाना

रायपुर,31 जनवरी 2024 (ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बस्तर जिले के करनपुर स्थित 201 कोबरा सीआरपीएफ कैंप पहुंचकर वहां टेकलगुड़ेम गांव में (थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा) नक्सल मुठभेड़ में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने 201 कोबरा बटालियन के जवानों से मुलाकात कर उनके साहस और जज्बों की सराहना करते हुए जवानों का मनोबल बढ़ाया।

बेहद गमगीन माहौल में टेकलगुड़ेम गांव में नक्सली मुठभेड़ में शहीद जवानों स्वर्गीय श्री देवेन सी., स्वर्गीय श्री पवन कुमार और स्वर्गीय श्री लम्बाधर सिंघा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, चित्रकोट के विधायक श्री विनायक गोयल, बस्तर के विधायक श्री लखेश्वर बघेल, जगदलपुर की महापौर सफीरा साहू, पूर्व विधायक संतोष बाफना, डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, एडीजी नक्सल ऑपरेशन श्री विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर श्री श्याम धावड़े, आईजी श्री सुन्दरराज पी. सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उनके पार्थिव शरीर उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किए गए। इनमें 201 कोबरा सीआरपीएफ बटालियन के शहीद जवान श्री देवेन सी. का पार्थिव शरीर ग्राम मोटूर जिला वेल्लूर तमिलनाडू, शहीद श्री पवन कुमार का पार्थिव शरीर ग्राम कुपावली जिला भिंड़ मध्यप्रदेश और 150 वीं बटालियन के शहीद जवान श्री लम्बाधर सिंघा ग्राम काकरागांव जिला चिंटांग असम के लिए रवाना किया गया।

मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि फोर्स के लगातार आगे बढ़ते जाने और पहुंचविहीन इलाकों में भी कैम्प लगाने से माओवादी आतंकी बौखला गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर स्थिति में अपने जवानों के साथ मजबूती से खड़े हैं। सुरक्षा बल के जवान सर्चिंग पर निकले थे। माओवादी आतंकियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। हमारे जवानों ने उनके इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के विरूद्ध लड़ाई तेज हुई है। माओवादी आतंक से आम नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने, लोगों तक योजनाओं के लाभ पहुंचाने के लिए सुरक्षा बलों के जवान प्रभावी कार्यवाही कर रहे हैं। हमारे जवान नक्सली चुनौती का बहादुरी के साथ मुकाबला कर रहे हैं।

मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बरामद किया कुकर बम

चुनाव नजदीक आते ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली चुनाव का बहिष्कार करने के लिए उत्पात मचाते है। विधानसभा चुनाव के बाद नक्सली अब लोकसभा चुनाव का भी बहिष्कार करने की कोशिश कर रहे हैं। सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए नक्सली कुकर बम विस्फोट कर बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे जिसे सुरक्षा बल के जवानों ने नाकाम कर दिया है।दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमावर्ती क्षेत्र के ग्राम रोतड़ पिंडकापाल बोडगा ताकिलोर क्षेत्र में आज फिर मुठभेड़ हुई है।इस दौरान नक्सलियों के द्वारा गोलीबारी के साथ ही यूबीजीएल भी दागे। पुलिस टीम नक्सलियों के ऊपर भारी पड़े। जिसके बाद नक्सली भाग निकले।बताया जा रहा है कि भैरमगढ़ और इंद्रावती एरिया कमिटी के प्लाटून नं. 16 के कमांडर डीवीसीएम मल्लेश सहित सशस्त्र 25- 30 नक्सलियों की बैठक होने की सूचना पुलिस टीम को लगी। सूचना पर डीआरजी बस्तर फाइटर्स तथा सीआरपीएफ़ 230 यंग प्लाटून टीम द्वारा संयुक्त नक्सल गश्त सर्चिंग अभियान चलाया गया। नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हथियारों से फायरिंग भी की। सुरक्षाबलों के द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में कई नक्सलियों के घायल होने की संभावना जताई जा रही है। वापसी के दौरान दंतेवाड़ा की टीम ने तीन नक्सल स्मारक सहित नक्सल डेरा ध्वस्त किए। नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए रास्तों में स्पाइक और आईईडी लगाया गया था।

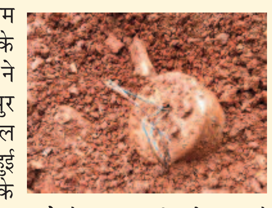

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले 4 जिलों में अध्यक्ष बदले

रायपुर,31 जनवरी 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश के 4 जिलों में अध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति की है। इनमें से एक रायपुर जिला ग्रामीण भी शामिल है, जहां के अध्यक्ष टंक राम वर्मा विधान सभा चुनाव में जीत हासिल कर विधायक और अब मंत्री बन गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने जिन चार जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति की है उनमें रायपुर ग्रामीण जिले में श्याम नारंग, भिलाई में महेश वर्मा,धमतरी में प्रकाश बैस और बालोद जिले में पवन साहू को जिला अध्यक्ष बनाया गया है।

सचिन पायलट कल छत्तीसगढ़ दौरे पर होंगे

रायपुर,31 जनवरी 2024 (ए)। राहुल गांधी की भारत जोड़ों न्याय यात्रा की तैय़ारियों को अंतिम रूप देने छत्त्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट 2 फरवरी को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ सकते हैं। पायलट का यह दौरा न्याय यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए होगी। पायलट के दौरे के दौरान वो प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

रजिस्ट्री के नए नियम से लोग हो रहे परेशान

» ओटीपी आने में लग रहा 1 से 2 घंटे का समय

» कोई काम का नहीं नया सिस्टम, भू-माफिया उठा रहे फायदा

रायपुर,31 जनवरी 2024 (ए)।राजधानी में चल रही अवैध प्लॉटिंग को रोकने कलेक्टर ने जमीन की रजिस्ट्री के लिए नया सिस्टम लागू किया है। रजिस्ट्री के नए सिस्टम से लोग परेशान हैं, वहीं इसका फायदा भू-माफिया उठा रहे।

प्रशासन ने दावा किया था कि रजिस्ट्री के नए सिस्टम से लोगों का काम पांच मिनट में हो जाएगा, लेकिन एक-एक रजिस्ट्री के लिए एक घंटे से ज्यादा का समय लग रहा है। नए सिस्टम में प्रॉपर्टी के दस्तावेज अपलोड करने के लिए पोर्टल में एक आईडी बनानी पड़ती है। यह आईडी तभी जनरेट होती है जब मोबाइल पर ओटीपी आता है, लेकिन कई वजहों से ओटीपी आने में 1 से 2 घंटे का समय लग रहा।

इस वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यही वजह है कि रायपुर शहर में अभी इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया जा रहा है। केवल 2 उप पंजीयक के कंप्यूटर पर ही इसे इंस्टॉल किया गया है।

पिछली सरकार ने छोटे प्लॉटों की रजिस्ट्री ओपन कर दी थी।

इससे प्रदेशभर में बड़े पैमाने पर अवैध प्लॉटिंग का खेल चल रहा था. इसमें बड़े-बड़े भू-माफियाओं ने किसानों को लालच देकर किसानी जमीन को छोटे-छोटे टुकड़े करके बेचा. इससे जिले में 400 से ज्यादा अवैध कॉलोनी बन गई।

इसकी शिकायत कलेक्टर से होने पर उन्होंने 32 लोगों पर एफआईआर और 1100 खसरों को ब्लॉक किया था। अब रजिस्ट्री के नए सॉफ्टवेयर में यह खसरे खुले दिखाई दे रहे हैं, जिसका फायदा भी कुछ भू-माफिया उठा चुके हैं।

बता दें कि बीते 15 दिनों से नए एनजीडीआरएस सिस्टम से तिल्दा, आरंग और रायपुर के एसआर-4, एसआर-5 एसआर-3 में रजिस्ट्री हो रही है। इस नए पोर्टल में खसरों को दर्ज करने में लापरवाही का फायदा भू-माफियाओं को हो रहा है।

हाईकोर्ट ने केटीयू के प्रो.शाहिद अली की बर्खास्तगी को किया निरस्त

बिलासपुर,31 जनवरी 2024 (ए)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर शाहिद अली की बर्खास्तगी के आदेश को हाईकोर्ट ने निरस्त कर उन्हें समस्त लंबित देयकों का भुगतान करने का आदेश दिया है। प्रो. अली को विश्वविद्यालय कार्यसमिति ने एक आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर जून माह में बर्खास्त कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि उनके द्वारा जमा किये गए दस्तावेज फर्जी हैं।

प्रो. अली ने कोर्ट में आरोप लगाया था कि उन्होंने कुलपति बलदेव भाई शर्मा के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी कि उन्हें अयोग्यता के बावजूद इस पद नियुक्त किया गया, इसी वजह से उन पर एकपक्षीय कार्रवाई की गई है। बर्खास्तगी की कार्रवाई एकतरफा है, उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया था। इस याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया है।हाई कोर्ट द्वारा कल जारी किये गए आदेश के बाद प्रो. शाहिद अली ने आज ही कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर में अपनी उपस्थिति दे दी है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 11 फरवरी को,समय-सारिणी जारी

रायपुर, 31 जनवरी 2024(ए)। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 की लिखित परीक्षा दिनांक 11 फरवरी 2024 (रविवार) को दो सत्रों में 28 जिलों में आयोजित की जाएगी। इन जिलों में अम्बिकापुर, बैकुण्ठपुर (कोरिया), बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग-भिलाई, दन्तेवाड़ा, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर, कबीरधाम (कवर्धा), कांकेर, कोरबा, महासमुंद, रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, बलरामपुर, सूरजपुर, गरियाबंद, नारायणपुर, कोण्डागांव, बीजापुर, सुकमा, बेमेतरा, बालोद, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही एवं मुंगेली के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। त्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 के लिए जारी की गई समय सारिणी के अनुसार यह परीक्षा 11 फरवरी को पहली पाली में सुबह 10 से 12 बजे तक विषय सामान्य अध्ययन (जनरल स्टडी) और द्वितीय पाली में अपरान्ह 3 से 5 बजे तक रुचि परीक्षा (एप्टीट्यूट टेस्ट) विषय की होगी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रवेश पत्र 30 जनवरी 2024 को जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू..पीएससी.सीजी.ज ीओव्ही.आईएन से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र व्यक्तिशः नहीं भेजा जायेगा।

कारोबारियों एवं बिल्डरों के सर पर आयकर विभाग की काली साया

» रायपुर-दुर्ग के कारोबारी, बिल्डरों के ठिकानों पर अभी भी डटी हुई हैं आईटी की टीम...

» पप्पू बंसल पूर्व सीएम भूपेश बघेल के करीबी बताए जा रहे...

रायपुर,31 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लगभग सभी बड़े शहरों पर आईटी ने दबिश दी है। रायपुर के राजीव नगर स्थित बिल्डर चंद्रभान शेरवानी समेत लॉ विस्टा सोसाइटी में कारोबारी राजू अरोरा, अमर होरा, कैलाश बजाज, टीटू छाबड़ा के घर पर आईटी ने दबिश दी है। इधर दुर्ग भिलाई में चौहान ग्रूप के घर और ऑफिस में दबिश दी गई है।

बिल्डर अजय चौहान के रामनगर स्थित घर और मौर्या टॉकीज के पास स्थित चौहान इस्टेट ऑफिस समेत नेहरू नगर निवासी कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल के ठिकानों पर दबिश हुई है। पप्पू बंसल पूर्व सीएम भूपेश बघेल के करीबी बताए जा रहे हैं।

दुर्ग में राइस मिलर विनीत गुप्ता के ग्रीन चौक स्थित पारख कॉम्प्लेक्स में ऑफिस और सिरसा, दुर्ग स्थित हनुमंत राइस इंड्रस्ट्रीज पर दबिश दी गई है। भिलाई के पंचवटी सोसाइटी स्थित मकान नंबर 32/8 निवासी एस के केजरीवाल के आईटी ने दबिश दी है।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने बरामद किए 2 करोड़ 64 लाख रुपये

दुर्ग, 31 जनवरी 2024(ए)। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ पुलिस ने प्रदेश में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने की कवायद शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से वाहनों की सघन जांच की जा रही है इस दौरान संदिग्ध अवस्था में वाहन से सामान मिलने पर उसे जब्त किया जा रहा है और चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने दो संदिग्ध वाहनों से 2 करोड़ 64 लाख रुपये नगद कैश जब्त किया है. इसके साथ ही 3 लोगों को हिरासत में लिया है. यह मामला भठ्ठी थाना क्षेत्र का है. वहीं पुलिस ने घटना की जानकारी दी आयकर विभाग को दे दी है।जानकारी के अनुसार, दुर्ग जिले के भिलाई के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सेक्टर वन भिलाई ब्रांच के समाने से दो संदिग्ध वाहनों की देर रात पुलिस ने चेकिंग की. इस दौरान वाहनों से 2 करोड़ 64 लाख रुपये नगद बरामद किया गया. वहीं करोड़ों रुपये के साथ पुलिस ने सेक्टर वन के विशाल कुमार साहू समेत 2 अन्य को हिरासत में लिया है। करोड़ों रुपये नगदी मिलने के बाद दुर्ग पुलिस ने आयकर विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी है। जिसके बाद अब आईटी विबगाह के अधिकारी हिरासत में लिए गए तीनों शख्स से पूछताछ करने में जुटी है. यह कार्रवाई भठ्ठी थाना और एसीसीयू की टीम ने की है।

हाईकोर्ट ने कलेक्टर के साथ सिविल सर्जन पर ठोका एक-एक लाख का जुर्माना

सिविल सर्जन कार्यालय में दिव्यांगजनों का रिकार्ड नहीं!

बिलासपुर,31 जनवरी 2024 (ए)।2015 के एक मामले की सुनवाई करते हुए बिलासपुर हाईकोर्ट ने कलेक्टर के साथ सिविल सर्जन पर एक-एक लाख का जुर्माना ठोका है। दिव्यांगजनों के रिकार्ड सिविल सर्जन कार्यालय में नहीं होने को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है।

इस लापरवाही के लिए कलेक्टर और सिविल सर्जन को आदिवासी युवकों को एक-एक लाख रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया है। 90 दिनों के भीतर भुगतान नहीं करने पर याचिका दायर करने की अवधि से 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देना होगा।जानकारी के अनुसार,विजय कुमार यादव व महेश राम की याचिका पर जस्टिस दीपक तिवारी की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) ने 29 मई 2015 को विविध परिचारक (प्रशिक्षु) के पद के लिए समूह डी में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत विकलांगता प्रमाण पत्र की जांच एनएमडीसी द्वारा जांच की गई।

जांच में पता चला कि याचिकाकर्ताओं के प्रमाण पत्र संबंधित मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित नहीं है।एनएमडीसी ने इस पर सिविल सर्जन कार्यालय से सत्यापन के लिए एक समिति का गठन किया। जांच के दौरान सिविल सर्जन दफ्तर ने एनएमडीसी को सूचित किया कि विकलांगता प्रमाण पत्र के सत्यापन रिकार्ड उनके कार्यालय में उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इसे सत्यापित नहीं किया जा सकता है। प्रमाण पत्र सत्यापित नहीं होने पर एनएमडीसी ने दोनों युवकों को पात्रता सूची से बाहर कर दिया। इस पर युवकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

नक्सलियों ने आतंकियों की तरह पहली बार दंतेवाड़ा में बनाई लंबी सुरंग

एक साथ छिप सकते हैं दर्जनों नक्सली

रायपुर,31 जनवरी 2024 (ए)। सुकमा-बीजापुर में नक्सलियों की जवानों से मुठभेड़ के बीच एक और खबर ने सुरक्षा बालों को चौंका दिया है। दंतेवाड़ा में सर्चिंग के दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा बनाई गई एक लंबी सुरंग खोजी। इससे पता चलता है कि बस्तर में नक्सली भी आतंकियों की तरह फोर्स पर हमला करने और छिपने के लिए स्ट्रैटजी बनाने लगे हैं। इंद्रावती नदी के पार बीजापुर-दंतेवाड़ा की सीमा पर अपने कोर इलाके में माओवादियों ने घने जंगल में 80 मीटर लंबा बंकर (सुरंग) बनाया है। यह सुरंग करीब 10 फीट गहरी और 3 फीट चौड़ी है,

जिसमें करीब 100 नक्सली हथियारों के साथ आसानी से छिप सकते हैं। इस सुरंग का वीडियो दंतेवाड़ा पुलिस ने जारी किया है।

घने जंगल नक्सलियों की पनाहगाह

बता दें कि दंतेवाड़ा जिले की कुल आबादी 14 हजार से भी कम है। यहां चारों तरफ घने जंगल हैं, जो नक्सलियों को पनाह देते हैं। इन्हीं जंगलों के बीच से निकल कर नक्सली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों पर हमला करते हैं। अब नक्सलियों ने हमास आतंकियों की तरह दंतेवाड़ा में सुरंगें बना ली हैं। ऐसी ही एक सुरंग का खुलासा दंतेवाड़ा की पुलिस ने किया है।

काफी गहरी हैं ये सुरंगें

इसमें सुरंगों की गहराई काफी ज्यादा है और यह काफी लंबी भी है। बीच-बीच में सुरंगों में ओपनिंग भी दी गई है, ताकि नक्सली इनमें से बाहर निकल कर सुरक्षबलों पर हमला कर सकें। इन सुरंगों को छिपाने के लिए लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है, फिर उसके ऊपर मिट्टी डाल दी जाती है।

पहली बार नजर आयी ऐसी सुरंगें

ऐसी सुरंग पहली बार नक्सलियों के बीच देखी गई है। जानकारी के मुताबिक ये सुरंग दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर बनाई गई थी। एयर स्ट्राइक से बचने के लिए ऐसे बंकर हमास ने इज़रायल में बना रखे थे। सुरक्षा महकमे में इस बात को लेकर के चर्चा है कि ऐसे टनल पहले कभी नक्सलियों के बीच में नहीं देखे गए हैं। इस बंकर का इस्तेमाल मुठभेड़ के बाद छिपने, हथियार और राशन छिपाने के लिए आसानी से किया जा सकता था। पुलिस की माने तो यह बंकर करीब 3 महीने पुराना है। जिसे बनाने में करीब 1 महीने का वक्त लगा होगा।

यह पहली बार हो रहा है कि नक्सली इस तरीके के सुरंग बनाकर उसमें छिप रहे हैं। ऐसे सुरंग उन इलाकों में ज्यादा मिलते हैं जहां पर एयर स्ट्राइक का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे सुरंग की दूसरे इलाकों में भी छानबीन की जा रही है। साथ ही इस बात की ओर भी चर्चा हो रही कि अगर ऐसे टनल ज्यादा संख्या में मिलेंगे तो जो इजरायल की टेक्नोलॉजी जो सुरंगों को नष्ट करने की उसको भी लाया जा सकता है। इजरायल की सेना ने कहा कि वो 800 से ज्यादा सुरंगों को अब पानी से भर देंगे। इजरायल की सेना की योजना है कि वो अब तक मिले सैकड़ों सुरंगों को अब पानी से भर देगा।

धान की खरीदी की समय सीमा बढ़ाई गई,04 फरवरी तक होगी खरीदी

रायपुर,31 जनवरी 2024 (ए)।छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का अभियान निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों की हित में बड़ा फैसला लेते हुए अब राज्य में 4 फरवरी तक समर्थन मूल्य पर होगी धान खरीदी। शनिवार और रविवार को भी धान खरीदी किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 142.23 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान उपार्जन के एवज में किसानों को 29 हजार 318 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का भुगतान बैंक के माध्यम से किया गया है।

मार्कफेड के महाप्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 24 लाख 51 हजार 28 किसानों से 31 जनवरी 2024 तक 142 लाख 23 हजार 702 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 102 लाख 74 हजार 132 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 93 लाख 44 हजार 627 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)